Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 35
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
गुरूवार,04 सितम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 खाद के लिए सपाइयों ने घेरा कलेक्ट्रेट,सड़क पर लेट कर प्रदर्शन किया | 4 वैश्विक राजनीति की बिसात पर ट्रंप को मोदी ही देंगे | 5 जाह्नवी की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी

विकसित भारत के लिए एक्शन में सीएम

हर क्षेत्र को चिह्नित करके काम करना जरूरी :सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने का सपना साकार करने के लिये देश के हर क्षेत्र को चिह्नित करके काम करना होगा। मुख्यमंत्री ने आईआईटी-कानपुर के उद्योग कृअकादमिक जुड़ाव कार्यक्रम ह्यसमन्वय में हिस्सा लेते हुए अपने संबोधन में विकसित भारत और अर्थव्यवस्था समेत विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत केवल विकसित नहीं होगा बल्कि वह आत्मनिर्भर भी होगा और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता होगी। योगी सरकार की नौकरियां आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत के लिए हर एक क्षेत्र को चिन्हित करके उस पर काम करना होगा। उन्होंने कहा, पिछले 11 वर्षों में आपने बदलते हुए भारत को देखा है। यह बदलता हुआ भारत जो आज फिर से दुनिया की सबसे तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था में से एक है, आज दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले दो वर्ष में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। तीसरी से दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में युवाओं का योगदान होना है और हमारे लिए वह समय विकसित भारत का होगा। आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 में भाजपा के सत्ता में आने से पहले उत्तर प्रदेश में एक निराशाजनक वातावरण था और देश में यह धारणा बन चुकी थी कि उत्तर प्रदेश सुधरने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि पिछले आठ वर्ष में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के निवासियों के साथ मिलकर जो प्रयास प्रारंभ किये, उनका परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश देश की नंबर दो अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन चुका है। उन्होंने इस अवसर पर आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित समन्वय कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और सस्टेनेबिलिटी नामक तीन महत्वपूर्ण विषयों पर अलग-अलग सत्र होंगे और उन सभी मुद्दों पर चर्चा होगी जिन्हें लेकर आज एक सामान्य नागरिक, समाज, देश और दुनिया भी चिंतित है। उन्होंने कहा कि इससे लाभान्वित होकर वे अपने आप को आगे बढ़ाना चाहेंगे। मुख्यमंत्री ने आईआईटी-कानपुर और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच तालमेल का जिक्र करते हुए कहा कि कोविड महामारी के दौरान विभिन्न निदानात्मक आकलनों के जरिये सरकार की मदद करने वाले इस संस्थान से डिफेंस कॉरिडोर परियोजना में भी सहयोग मिल रहा है।

मानसून ने मचाई ताबही...केदारनाथ के बाद आपदा से राज्य में सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान

देहरादून (एजेंसी)। पर्वतीय राज्य उत्तराखंड को हर साल मानसून सीजन में प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2013 में केदारघाटी में आई आपदा से भारी तबाही मची थी। वर्ष 2013 की केदारनाथ त्रासदी के बाद राज्य में आपदा से सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। इस साल अब तक उत्तरकाशी, पौड़ी, चमोली, रुद्रप्रयाग समेत अन्य जिलों में बादल फटने व अतिवृष्टि से पांच हजार करोड़ का नुकसान होने का अनुमान है। प्रदेश में बारिश से जिस तरह के हालात बने, उसे देखते हुए नुकसान का आंकड़ा बढ़ सकता है। जिला स्तर पर डीएम के माध्यम से नुकसान के आकलन की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। पर्वतीय राज्य उत्तराखंड को हर साल मानसून सीजन में प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2013 में केदारघाटी में आई आपदा से भारी तबाही मची थी। पुनर्निर्माण कार्य से केदारपुरी फिर से दिव्य व भव्य रूप से संवर गई है। हर साल आपदाओं से सड़क, पुल, सार्वजनिक व निजी संपत्तियां क्षतिग्रस्त होने से राज्य को आर्थिक नुकसान होता है। लेकिन केदारनाथ आपदा के बाद इस बार अलग-अलग जिलों में बादल फटने, अतिवृष्टि व भूस्खलन से सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रदेश में अब तक पांच हजार करोड़ का नुकसान होने अनुमान है। अभी तक जिलों से नुकसान की वास्तविक आकलन रिपोर्ट आनी बाकी है। प्रदेश में अभी बारिश से नुकसान का खतरा बना हुआ है।

इंदौर में दूसरे बच्चे की भी मौत...चूहे ने कुतरा था,हाईलेवल कमेटी करेगी जांच

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के सबसे बड़े सरकारी एमवाय अस्पताल (एमवाईएच) के एनआईसीयू में भर्ती एक और नवजात की बुधवार को मौत हो गई। चूहों ने सोमवार को उसके हाथ-पैर कुतरे थे। इससे पहले मंगलवार को भी एक नवजात बच्ची ने दम तोड़ दिया था। इस मामले में मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग ने अस्पताल अधीक्षक को पत्र लिखकर एक महीने में जांच कर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। इससे पहले चिकित्सा शिक्षा विभाग ने डीन से स्पष्टीकरण मांगा है। इस मामले में दो नर्सिंग ऑफिसर को सस्पेंड कर दिया और अन्य को शोकॉज नोटिस दिया है। मामले की जांच के लिए हाईलेवल कमेटी बनाई गई है। हालांकि, अस्पताल प्रबंधन ने चूहे के काटने से मौत होने की बात से इनकार किया है। डॉक्टर का कहना है कि बच्चे की मौत इंफेक्शन से हुई है। नर्सिंग ऑफिसर और स्टाफ पर कार्रवाई से नर्सिंग ऑफिसर्स में आक्रोश है। उनका कहना है कि इसमें सीधे तौर पर उनका कोई दोष नहीं है। जिम्मेदार वरिष्ठों पर कार्रवाई होनी थी, लेकिन हमें निशाना बनाया गया। जिस बच्चे की मौत बुधवार को हुई, वह देवास की रहने वाली रेहाना का है। परिवार ने बच्चे का पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया है। वे शव को लेकर रवाना हो गए। वहीं मंगलवार को जिस बच्चे की मौत हुई थी वह खंडवा के पास एक गांव की रहने वाली लक्ष्मीबाई का है। उसकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आना बाकी है।

हमले के दो हफ्ते बाद सीएम रेखा गुप्ता ने जन सुनवाई फिर शुरू की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कैंप कार्यालय में श्जन सुनवाईश् कार्यक्रम फिर से शुरू कर दिया है। 20 अगस्त को हुए हमले के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री का यह पहला श्जन सुनवाईश् कार्यक्रम रहा। इस बार श्जन सुनवाईश् कार्यक्रम में कई चीजों में बदलाव नजर आया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस बार सामने मेज रखकर श्जन सुनवाईश् की। हमले से पहले वे लोगों के पास जाकर शिकायतें सुनती थीं। इस बार सामने मेज रखी गई है। कार्यक्रम में लोग एक-एक करके उनके पास आकर अपने आवेदन जमा कर रहे थे। इसके अलावा, श्जन सुनवाई कार्यक्रम में भारी सुरक्षा देखी गई। कुछ सुरक्षाकर्मी मुख्यमंत्री के आसपास खड़े रहे, जबकि कुछ सुरक्षाकर्मी फरियादियों के पास खड़े होकर व्यवस्था संभालते नजर आए। सुरक्षा उपायों में पुलिसकर्मियों की ओर से मेटल डिटेक्टर से लोगों की तलाशी लेना और सीसीटीवी कैमरों से कार्यक्रम की निगरानी करना शामिल था। कार्यक्रम सुबह 8 बजे शुरू हुआ, जिसमें राजधानी के अलग-अलग हिस्सों से आए लोगों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं और उनसे मदद मांगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से श्जन सुनवाई, जिसमें वह लोगों से मिलती थीं, उनकी शिकायतों का निवारण करती थीं, अपने कैंप कार्यालय में उनकी मदद करती थीं, 20 अगस्त को हुए हमले के बाद बाधित हो गई थी। जन सुनवाई के दौरान राजेश खिमजी नामक व्यक्ति ने उन पर हमला किया था। कार्यक्रम के दौरान राजेश खिमजी ने कथित तौर पर सीएम रेखा गुप्ता को कुछ कागज दिए, और फिर अचानक हमला बोल दिया। राजेश खिमजी ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री को थप्पड़ मारा। इस हमले में वे जमीन पर भी गिर गई थीं। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों और जनता ने समय रहते आरोपी को काबू कर लिया। हमले के बाद रेखा गुप्ता ने स्पष्ट कर दिया था कि जन सुनवाई जारी रहेगी।

गणेश विसर्जन के दौरान हुआ बड़ा हादसा, वाहन की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

जशपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में जशपुर जिले के बगीचा में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान एक वाहन की चपेट में आने से एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई एवं करीब 22 लोग घायल हो गए। यह हादसा जिले के बगीचा थाना क्षेत्र अंतर्गत बगीचा चरईडांड स्टेट हाईवे में मंगलवार देर रात करीब 12 बजे हुआ जहां बगीचाद्दचराईडांड स्टेट हाईवे से गुजर रही एक बोलेरो अनियंत्रित होकर श्रद्धालुओं की भीड़ पर चढ़ गई। प्रत्यक्षदर्शी केशव यादव ने बताया कि बोलेरो रायकेरा की ओर से आ रही थी। लगभग डेढ़ सौ लोग विसर्जन जुलूस में शामिल थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और पूरे इलाके में अफरा तफरी का माहौल व्याप्त हो गया। आक्रोशित भीड़ ने चालक की मौके पर जमकर पिटाई कर दी जबकि बोलेरो में सवार अन्य लोग मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जनपद उपाध्यक्ष अरविंद गुप्ता जनप्रतिनिधि शंकर गुप्ता और बगीचा एसडीओपी दिलीप कोसले व पुलिस की टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और मिलकर बचाव कार्य में जुट गए। कुछ घायलों को गांव के अन्य लोगों ने अपनी सुविधा से इलाज के लिए रवाना किया। घायलों को तत्काल 108 की मदद से बगीचा अस्पताल लाया गया। कांसाबेल,कुनकुरी, सन्ना समेत जिलों के अन्य अस्पतालों से 108 संजीवनी बुलाया गया और तत्काल घायलों को रैफर किया गया। एसडीओपी दिलीप कोसले, एसडीएम प्रदीप राठिया, तहसीलदार महेश्वर उईके और पुलिस बल मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव में सक्रिय रहे, वहीं देर रात एक बजे एसएसपी शशि मोहन सिंह ने भी अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि हादसे में लगभग 25 से 30 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कई की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जशपुर कलेक्टर रोहित व्यास देर रात दो बजे बगीचा अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने घायलों व मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने बताया कि जो गंभीर हैं उन्हें अंबिकापुर रैफर किया गया है मॉनिटरिंग के लिए दो नायब तहसीलदार व मेडिकल ऑफिसर को अंबिकापुर भेजा गया है।

टीचर मनीषा की मौत, भिवानी पहुंची सीबीआई,जांच सौंपने के 8 दिन बाद आई

भिवानी (एजेंसी)। हरियाणा के भिवानी में लेडी टीचर मनीषा मौत मामले की जांच के लिए सीबीआई टीम बुधवार को भिवानी पहुंची। टीम दिल्ली नंबर की दो गाड़ियों में 5-6 सदस्यों के साथ आई और च्वं रेस्ट हाउस में रुकी है। स्थानीय सीआईए टीम इंचार्ज भी वहां मौजूद हैं। अभी तक सीबीआई टीम की परिजनों से मुलाकात नहीं हुई है। जबकि, प्रशासनिक अधिकारियों से टीम मिल चुकी है। पुलिस अब तक की जांच रिपोर्ट और इकट्ठे किए गए सबूत सीबीआई को सौंपेगी। टीम ने केस से जुड़ा पूरा रिकॉर्ड मांगा है। 13 अगस्त को मनीषा का शव सिंघानी गांव के खेतों में मिला था। पुलिस ने 18 अगस्त को सुसाइड नोट दिखाकर इसे आत्महत्या बताया था। परिवार ने हत्या का आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच की मांग की थी। सरकार ने 20 अगस्त को केस सीबीआई को सौंपा, और आज सीबीआई ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

ओपी राजभर के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी अंसारी परिवार की बेटी

जहूराबाद सीट को लेकर नई सियासत शुरू

गाजीपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा का चुनाव 2027 में होने वाला है लेकिन छींटाकसी और माहौल बनाने का काम अभी से किया जा रहा है। दरअसल, इस वक्त यूपी में गाजीपुर जनपद की जहूराबाद विधानसभा सीट को लेकर सियासत हो रही है। आपको बता दें कि सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि समाजवादी पार्टी (सपा) ने गाजीपुर के जहुराबाद सीट से वर्तमान विधायक और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के खिलाफ अफजाल अंसारी की बेटी नूरिया अंसारी को चुनाव लड़ाने का फैसला कर लिया है। एक एक्स पोस्ट में तो यहां तक कहा गया है कि 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए नूरिया का टिकट लगभग फाइनल हो चुका है। गौरतलब है कि नूरिया अंसारी की शादी जनवरी 2024 में हुई थी जिसमें सपा मुखिया अखिलेश समेत कई बड़े नेता शरीक हुए थे। मिली जानकारी के मुताबिक नूरिया अंसारी एक बाल मनोवैज्ञानिक हैं। उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया से अपनी शिक्षा पूरी की है। 2024 के लोकसभा चुनाव में नूरिया ने अपने पिता अफजाल अंसारी के लिए प्रचार किया था। उन्होंने युवाओं से बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर वोट की अपील की थी। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 में अपने ऊपर चल रहे कानूनी मामलों को देखते हुए अफजाल अंसारी ने अपनी बेटियों को अपना राजनीतिक वारिस घोषित कर दिया था। इसी क्रम में नुसरत अंसारी ने लोकसभा चुनाव में नामांकन किया था। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि राजनीति में कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होते।

बाढ़ प्रभावित राज्यों के लिए विशेष पैकेज घोषित करें सरकार : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड में भारी बारिश से मची तबाही पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इन राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करने की मांग की गांधी ने कहा कि इन राज्यों की स्थिति आपदाओं के कारण अत्यंत वीभत्स हो गई है और वहां जन जीवन संकट में आ गया है इसलिए सरकार को प्रभावित राज्यों के लिए और विशेषकर किसानों के हित में विशेष राहत पैकेज की घोषणा करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री को संबोधन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को एक पोस्ट में प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए कहा मोदी जी, पंजाब में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी स्थिति बेहद चिंताजनक है। ऐसे मुश्किल समय में आपका ध्यान और केंद्र सरकार की राहत कार्यों को तेज करने का आग्रह सक्रिय मदद अत्यंत आवश्यक है। हजारों परिवार अपने घर, जीवन और अपनों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा ष्मैं आग्रह करता हूंकि इन राज्यों के लिए, खासतौर पर किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की तत्काल घोषणा की जाए और राहत एवं बचाव कार्यों को तेज किया जाए।

बांध टूटने से मचा हाहाकार, अचानक बाढ़ से अब तक 4 की मौत

छत्तीसगढ़ (एजेंसी)। बलरामपुर जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक छोटे बांध का एक हिस्सा टूटने से बाद अचानक क्षेत्र से बाढ़ आ गई। इस हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है और 3 लोग अभी लापता बताए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार बलरामपुर के बांध में मंगलवार की देर रात दरार आ गई थी। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में भारी बारिश होने के बाद मंगलवार को देर रात बलरामपुर जिले के धनेशपुर गांव में स्थित लुटी बांध में दरार आ गई। इस बांध का निर्माण साल 1980 के दशक की शुरूआत में किया गया था। दरार पड़ने की वजह से बांध केसपास के घरों और खेतों में पानी घुस गया, जिसके परिणामस्वरूप अचानक बाढ़ आ गई।

सीएम नीतीश ने गयाजी विष्णुपद मंदिर में की पूजा-अर्चना, पितृपक्ष मेले की तैयारी बैठक में हुए शामिल

गया (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को गयाजी के विष्णुपद मंदिर में पूजा अर्चना की और पितृपक्ष मेले की तैयारियों का जायजा लिया। नीतीश कुमार आज हेलीकॉप्टर से गयाजी पहुंचे, विष्णुपद मंदिर में पूजा अर्चना की तथा देवघाट का जायजा लिया। मुख्यमंत्री इसके बाद समाहरणालय परिसर पहुंचे, जहां प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उन्होंने पितृपक्ष मेले की तैयारियों का ब्यौरा लिया। कुमार ने चाकंद हाई स्कूल से 13 योजनाओं का शिलान्यास किया। इसके बाद वह बेलागंज बस पड़ाव के समीप राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के कई मंत्रियों के साथ कार्यकर्ता संवाद में भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार में विकास नाम की कोई चीज नहीं थी। महिलाओं के उत्थान से लेकर शिक्षा और सड़क तक, कोई काम नहीं होता था, लेकिन 2005 के बाद से उनकी सरकार ने हर क्षेत्र में काम किया है और आगे भी इसे जारी रखेंगे। उन्होने जनता से अपील करते हुए कहा कि इलाके की जरूरतें अपने विधायक को बताइए, सरकार सभी जरूरतों को पूरा करेगी। नीतीश कुमार ने लोगों से कहा कि आज उनके क्षेत्र से जुड़ी 13 योजनाएं स्वीकृत हुई हैं. इनमें तीन सिंचाई, दो फ्लाईओवर, पांच पथ निर्माण, दो पार्क और इमामगंज में एक डिग्री कॉलेज का शिलान्यास किया गया है।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर सियासी उठापटक तेज, भुजबल ने कैबिनेट बैठक बीच में छोड़ी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और ओबीसी नेता छगन भुजबल की नाराजगी मराठा आरक्षण को लेकर लगातार बढ़ती जा रही है। बुधवार को उन्होंने चल रही कैबिनेट बैठक बीच में ही छोड़ दी। सरकार ने मराठा आरक्षण के तहत पात्र मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाणपत्र देने की मांग स्वीकार कर ली है, जबकि भुजबल ओबीसी कोटे में मराठाओं को आरक्षण दिए जाने के खिलाफ रहे हैं। भुजबल ने इस विवाद के बीच बांद्रा स्थित अपने कार्यालय में ओबीसी नेताओं की आपात बैठक बुलाई है, जिसमें आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। दूसरी ओर, ओबीसी समाज की नाराजगी कम करने के लिए सरकार ने एक समिति भी गठित की है। इस फैसले को ओबीसी नेता मनोज जरांगे ने अपनी जीत बताते हुए अपना अनशन समाप्त कर दिया है। महाराष्ट्र के नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री छगन भुजबल ने मंगलवार को कहा कि वह सरकार द्वारा जारी किए गए उस प्रस्ताव का गहन अध्ययन कर रहे हैं, जिसमें मराठा समुदाय के पात्र सदस्यों को कुनबी जाति प्रमाणपत्र प्रदान करने का प्रावधान शामिल है। भुजबल लंबे समय से ओबीसी कोटे में मराठा समुदाय को आरक्षण दिए जाने का विरोध करते रहे हैं। मंत्री छगन भुजबल ने बताया कि वह और उनकी टीम इस प्रस्ताव की पूरी पड़ताल कर रहे हैं और इस विषय पर कानूनी विशेषज्ञों से भी विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विस्तृत अध्ययन के बाद वे इस मुद्दे पर अपने विचार सार्वजनिक करेंगे।

स्वच्छता के उपरान्त स्वच्छ दिखता गोरखपुर स्टेशन यार्ड

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा देश की आजादी का जश्न स्वच्छता के संकल्प के साथ मनाया जा रहा है। सम्पूर्ण भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 03 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मण्डलों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह अभियान रेलवे के सभी क्षेत्रों जैसे- स्टेशनों, टेज्जों, कालोनियों, कार्यालयों, डिपो एवं कारखानों आदि में स्वच्छता के प्रति हमारे प्रयासों को सार्थक करेगा, साथ ही रेलकर्मियों एवं यात्रियों के बीच जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। 03 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मण्डल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर मशीनीकृत

सफाई की गयी। रेलवे पटरियों पर स्वच्छता कार्य किया गया। वाशिंग लाइनों पर गाड़ियों की स्वच्छता का निरीक्षण कर गहन सफाई की गयी। पर्यवेक्षकों और अधिकारियों ने रेकों के

स्वच्छता का उच्च मानक सुनिश्चित करने के लिए रेकों का निरीक्षण किया गया, बेस किचन और उनके स्टोर का गहन निरीक्षण कर भोजन की तैयारी और भण्डारण में स्वच्छता मानकों को बनाये रखने का निर्देश दिया गया। स्टेशनों को प्लास्टिक मुक्त बनाया गया तथा स्वच्छता कार्य किया गया। वाराणसी मण्डल के देवरिया सदर, सीवान, मऊ, बलिया, आजमगढ़,

बनारस, प्रयागराज रामबाग आदि सभी प्रमुख स्टेशनों पर मशीनीकृत सफाई की गयी। रेल पटरियों की सफाई की गयी। वाशिंग लाइनों पर गहन निरीक्षण कर स्वच्छता सुनिश्चित की गयी। भोजन की तैयारी और भण्डारण क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्वच्छता सुनिश्चित की गयी। स्टेशनों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से स्टेशन परिसरों की सफाई की गयी तथा स्वच्छता रैली के माध्यम से जनता को स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत के नारों के साथ जागरूक किया गया। इज्जतनगर मण्डल के काठगोदाम, फतेहगढ़, हल्द्वानी, रूद्रपुर सिटी, कासगंज, काशीपुर, लालकुआँ, कन्नौज, फतेहगढ़ आदि सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर, वाशिंग लाइनों पर ट्रेनों की गहन सफाई की गयी। स्टेशन परिसर, वेटिंग हाल, प्लेटफार्मो एवं गाड़ियों की गहन सफाई की गयी तथा सुखे एवं गीले कचरे के डस्टबिन का प्रावधान सुनिश्चित किया गया।

दिसंबर तक बन जाएगा गंजारी का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

वाराणसी। गंजारी का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम दिसंबर तक बन जाएगा। 450 करोड़ रुपये से 30.66 एकड़ क्षेत्रफल में स्टेडियम बन रहा है। गंजारी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का 75 फीसदी से अधिक निर्माण कार्य पूरा हो गया है। प्रशासन ने दिसंबर तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा है। अभी बिजली निगम ने अपने हिस्से का काम ही नहीं शुरू किया है। यहां बनने वाले बिजली उपकेंद्र का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद ही उस पर काम शुरू हो सकेगा। इससे पहले भी एक बार बिजली निगम प्रस्ताव भेज चुका है, उस पर शासन ने मंजूरी नहीं दी थी। उसी प्रस्ताव में संशोधन कर दोबारा भेजा गया है। ये है पूरा मामला करीब 450 करोड़ रुपये से 30.66 एकड़ क्षेत्रफल में तैयार हो रहे इस स्टेडियम में 18 से अधिक क्रिकेट विकेट तैयार किए जाएंगे। इनका काम सबसे अंत में होगा। अभी ड्रेसिंग रूम, मेडिकल रूम, फीजियोथेरेपी रूम, मीडिया सेंटर, कमेंटेटर बॉक्स, वीआईपी बॉक्स, वीवीआईपी बॉक्स, कॉरपोरेट बॉक्स, बीवीआईपी जोन, ब्रॉडकॉस्ट प्लेटफॉर्म, फूड कियोस्क और रिकॉर्डिंग बूथ बनाने का काम चल रहा है। इसमें भी सभी का 75 फीसदी से अधिक काम हो चुका है। अफसरों ने कार्यदायी संस्था को दिसंबर तक स्टेडियम का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य दिया है। बिजली निगम को यहां उपकेंद्र बनाने और लाइन बिछाकर देने का काम पूरा करना है, जो अभी तक शुरू ही नहीं हो सका है। सितंबर में प्रस्ताव को मंजूरी मिलने और बजट जारी होने की उम्मीद है। ऐसे में बिजली निगम के पास सिर्फ तीन महीने का समय होगा और इतने ही समय में उपकेंद्र तैयार करना होगा। दरअसल अगले साल टी-20 विश्व कप की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से कर रहा है। क्या बोले अधिकारी 33 केवी का विद्युत उपकेंद्र बनाया जाएगा। इसकी 10 एमवीए की क्षमता होगी।

धर्मांतरण मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग

बस्ती। भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्य समति सदस्य सत्येन्द्र सिंह भोलू के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकताओं ने नगर थानाध्यक्ष से मुलाकात कर थाना क्षेत्र की एक लड़की को जबरन भगा कर धर्मांतरण कराने की कोशिश के मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस बात पर हैरानी जताया कि एक बेटी को दूसरे संप्रदाय का युवक खुले आम धमकियां दे रहा है और पीडीए का नारा लगाने वाले समाजवादी खामोश हैं। कहा कि भाजपा इस मामले में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और अन्याय नहीं होने पायेगा। इस दौरान पिंटू सोनकर, विनोद चौधरी, प्रदीप निषाद ने दोषी के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

कूड़ा फेंकने को लेकर मारपीट

बस्ती। थाना क्षेत्र के महुआपार कला गांव में कूड़ा फेंकने की बात को लेकर हुई मारपीट में पुलिस ने चार लोगों पर केस दर्ज किया है। तहरीर में साजिदा बेगम पत्नी इकरार हुसैन ने लिखा है कि रविवार की शाम को कूड़ा फेंकने को लेकर बगल के अफजाल उसके दरवाजे पर आए और गाली देने लगे। गाली देने से मना किया तो अफजाल, शाहबाज, जुलेखा तथा जाहिदा उसको लाठी डंडे से पीटने लगे। बचाने के लिए उसकी बेटी मुस्कान, सलमा खातून, नजमा खातून तथा उसके लड़के सद्दाम आए तो उन लोगों को भी मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायलों को सीएचसी कुदरहा ले जाया गया। वहां से जिला अस्पताल ले जाया गया। उसके पति बाहर रहते हैं और वह अपने बच्चों के साथ घर पर रहती है। थानाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्रभारी एसपी ने किया कोतवाली की निरीक्षण

बस्ती। प्रभारी पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने रविवार रात थाना कोतवाली का निरीक्षण किया। कार्यालय, मेस, मालखाना, सीसीटीएनएस कार्यालय, बैरक, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क व परिसर की साफ-सफाई एवं अभिलेखों के उचित रख-रखाव की हिदायत दी। लंबित विवेचनाओं को पूर्ण कर अपराध पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए।

ई-रिक्शा की टक्कर से रेलवे गेट क्षतिग्रस्त

बस्ती। गोविंद नगर रेलवे स्टेशन के पूर्वी समपार फाटक पर सोमवार को शाम सवा चार बजे गेट बंद करते समय ई रिक्शा ने टक्कर मार दी। फाटक क्षतिग्रस्त हो गया। इसकी जानकारी गेट मैंन ने आरपीएफ को दी। आरपीएफ टीम ने ई-रिक्शा चालक नाम पता अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज कराया। गेट मैन प्रभारक वर्मा ने बताया कि मालगाड़ी पास होने के लिए गेट बंद कर रहा था।तभी एक ई रिक्शा चालक ने गेट में टक्कर मार दी। उपनिरीक्षक आरपीएफ लाल बहादुर सिंह ने बताया कि गेट मैन की तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है।

डीएम से लेखपाल की शिकायत

बस्ती। आईजीआरएस पर की गई शिकायत का निस्तारण फर्जी तरीके से करने का आरोप लगाते हुए बीजेपी नेता ने डीएम से लेखपाल की शिकायत की है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के करमिया शुक्ला गांव के रहने वाले भाजपा मंडल अध्यक्ष लवकुश शुक्ला के मुताबिक, उनके गांव में गड्ढे की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ सीएम पोर्टल पर गांव के लोगों ने शिकायत की थी। आरोप है कि लेखपाल ने शिकायत निस्तारण में स्पॉट मेमो पर उनका और गांव के अन्य लोगों का फर्जी हस्ताक्षर कर दिया।

कार में पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर

बस्ती। लुंबिनी-दुद्धी मार्ग पर कलवारी थाना क्षेत्र के अकसड़ा चौराहे पर ट्रक की टक्कर से आगे चल रही कार क्षतिग्रस्त हो गई। चालक को भी हल्की चोट लगी। तहरीर में बृजेश कुमार निवासी बैढ़ारी मुस्तहकम थाना कलवारी ने लिखा है कि सोमवार शाम को वह बस्ती से कार द्वारा अपने घर जा रहे थे। अकसड़ा चौराहे पर पीछे से आ रहे

कला समीक्षा: रंगिनी : रंगों और भावों का स्त्री स्वरूप

आशीमा मेहरोत्रा और एम. सारदा

नई दिल्ली स्थित सिविल सर्विसेज ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट में आयोजित सामूहिक कला प्रदर्शनी रंगिनी कला प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव लेकर आई है। इस प्रदर्शनी में प्रख्यात दृश्य कलाकार आशीमा मेहरोत्रा और एम. सरदा की कृतियाँ प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें दो विपरीत लेकिन सशक्त कलाभाषाएँ एक साथ संवाद करती दिखाई देती हैं। रंगिनी नाम ही अपने आप में रंग और अभिव्यक्ति के स्त्री स्वरूप का प्रतीक है। यह प्रदर्शनी अमूर्तन और रूपक के बीच पसरे भावनात्मक और साकेतिक परिदृश्य को नए आयामों में खोजती है। आशीमा मेहरोत्रा की एनकॉस्टिक कृतियाँ वेदांत और दार्शनिक चिंतन में निहित आध्यात्मिक आत्मविश्लेषण और ब्रह्मांडीय मौन का बोध कराती हैं, वहीं सरदा की जीवंत कैनवस पेंटिंग्स सहज लय, भौतिक समृद्धि और अभिव्यक्ति की स्वच्छंदता को उजागर करती हैं। रंगिनी प्रदर्शनी में प्रस्तुत कृतियों ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। आशीमा मेहरोत्रा की विभत्स और दहलीज जैसी पेंटिंग्स ने अपने दार्शनिक और भावनात्मक आयामों से आत्ममंथन के क्षण प्रदान किए, वहीं एम. सारदा की गोल्डन माउंटेन्स और ह्लअर्धनारीश्वरह्व जैसी

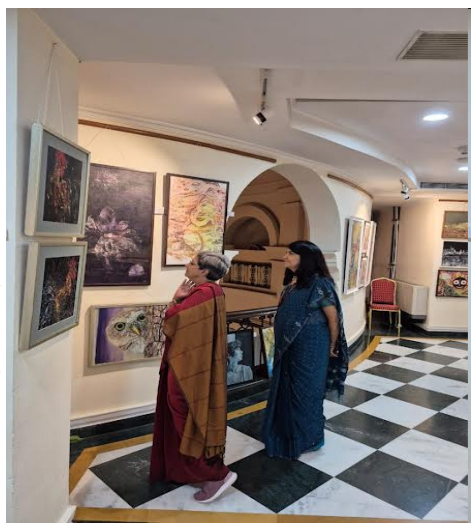

रचनाओं ने रंगों की समृद्धि और प्रतीकों की सजीवता से दर्शकों को मोहित कर लिया। इन दोनों कलाकारों की कलाभाषाओं का संगम दर्शकों को एक अनोखा अनुभव देता है। जहाँ भिन्नता में भी सामंजस्य है और रूपों की तरलता में भी गहन सौंदर्य छिपा है। रंगिनी सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि यह रंगों और भावों के जरिए आत्मा और प्रकृति के बीच सेतु का कार्य करती है। नई कलाभाषाओं और बहुआयामी दृष्टिकोणों को समझने के इच्छुक कला प्रेमियों के लिए यह प्रदर्शनी निस्संदेह एक उल्लेखनीय अवसर है। कलाकार परिचयः आशीमा मेहरोत्रा एक प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं, जिन्होंने बचपन से ही कला को आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया है। उन्होंने पाँच वर्ष की आयु में चित्रकारी आरंभ की और शब्दों के पहले रंगों से संवाद करना सीखा। वहीं एम. सारदा एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड इन सुप्रीम कोर्ट हैं, जिन्हें बचपन से ही कला में रुचि होने की वजह से विविध अभिव्यक्तियों और जीवन की परिस्थितियों से प्रेरित रंगों को कैनवास पर उकेरना शुरू कर दिया। कला प्रदर्शनी रंगिनी की मेजबानी चाणक्यपुरी स्थित सिविल सर्विसेज ऑफि सर्स इंस्टीट्यूट कर रहा है। इसका संयोजन श्री किशोर लाबर ने किया है। प्रदर्शनी का उद्घाटन सोमवार, 1 सितम्बर 2025 को शाम 4:30 बजे हुआ और यह 13 सितम्बर 2025 तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 15 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05736/05735 कटिहार-अमृतसर-कटिहार साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन कटिहार से 17 सितम्बर से 05 नवम्बर, 2025 तक (24 सितम्बर, 2025 को छोड़कर) प्रत्येक बुधवार को तथा अमृतसर से 19 सितम्बर से 07 नवम्बर, 2025 तक (26 सितम्बर, 2025 को छोड़कर) प्रत्येक शुक्रवार को 07 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05736 कटिहार-अमृतसर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 17 सितम्बर से 05 नवम्बर, 2025 तक (24 सितम्बर, 2025 को छोड़कर) प्रत्येक बुधवार को कटिहार से 21.00 बजे प्रस्थान कर पूर्णिया से 21.32 बजे, अररिया कोर्ट से 22.17 बजे, फारबिसगंज से 23.20 बजे, दूसरे दिन ललितग्राम से 00.15 बजे, राघोपुर से 00.37 बजे, सरायगढ़ से 00.47 बजे, निर्मली से 01.10 बजे, झंझारपुर से 01.42 बजे, सकरी से 02.08 बजे, शिशो से 02.50 बजे, सीतामढ़ी से 04.07 बजे, रक्सौल से 05.20 बजे, नरकटियागंज से 06.35 बजे, कप्तानगंज से 10.00 बजे, गोरखपुर से 11.10 बजे, बस्ती से 12.35 बजे, गोंडा से 14.10 बजे, सीतापुर जं. से 19.45 बजे, शाहजहाँपुर से 22.06 बजे, बरेली से 23.06 बजे, तीसरे दिन मुरादाबाद से 00.53 बजे, लक्सर से 02.44 बजे, रूड़की से 03.06 बजे, सहारनपुर से 04.02 बजे, अम्बाला कैंट से 05.25 बजे, राजपुरा से 05.46 बजे, ढंडारी कलां से 06.55 बजे, जलंधर सिटी से 07.10 बजे तथा ब्यास से 08.45 बजे छूटकर अमृतसर 09.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05735 अमृतसर-कटिहार साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 19 सितम्बर से 07 नवम्बर, 2025 तक (26 सितम्बर, 2025 को छोड़कर) प्रत्येक शुक्रवार को अमृतसर से 13.25 बजे प्रस्थान कर ब्यास से 13.57 बजे, जलंधर सिटी से 14.35 बजे, ढंडारी कलां से 15.55 बजे, राजपुरा से 16.44 बजे, अम्बाला कैंट से 17.35 बजे, सहारनपुर से 19.08 बजे, रूड़की से 19.51 बजे, लक्सर से 20.20 बजे, मुरादाबाद से 21.50 बजे, बरेली से 23.12 बजे, दूसरे दिन शाहजहाँपुर से 00.20 बजे, सीतापुर जं. से 02.15 बजे, गोंडा से 05.30 बजे, बस्ती से 06.50 बजे, गोरखपुर से 08.30 बजे, कप्तानगंज से 09.40 बजे, नरकटियागंज से 12.45 बजे, रक्सौल से 13.40 बजे, सीतामढ़ी से 14.57 बजे, शिशो से 16.55 बजे, सकरी से 17.45 बजे, झंझारपुर से 18.17 बजे, निर्मली से 18.47 बजे, सरायगढ़ से 19.10 बजे, राघोपुर से 19.22 बजे, ललितग्राम से 20.05 बजे, फारबिसगंज से 21.15 बजे, अररिया कोर्ट से 21.47 बजे तथा पूर्णिया से 22.32 बजे छूटकर कटिहार 23.45 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. का 01, जनरेटर सह लगेज यान का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 03, शयनयान श्रेणी के 05, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 15 कोच लगाये जायेंगे।

25 हजार का इनामी पशु तस्कर मुठभेड़ में गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी जिले की पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी पशु तस्कर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल तक फैले गौ-तस्करी नेटवर्क के बारे में अहम जानकारी सामने आई है। वाराणसी जिले के बड़ागांव थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह 25 हजार रुपये के इनामी पशु तस्कर गोविंद सिंह निवासी कैमूर, बिहार को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। पैर में लगी गोली लगने से घायल बदमाश को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। आरोपी का पूर्वी यूपी के कई जिलों में नेटवर्क है। उस पर अलग- अलग जिलों में नौ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में उसने उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल तक फैले गौ-तस्करी नेटवर्क के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी है। गोमती जोन के डीसीपी आकाश पटेल ने बताया कि थाना बड़ागाव एवं थाना फूलपुर की संयुक्त पुलिस टीम ने रामेश्वर के निकट वरुणा पुल के पास दबिश दी। इस दौरान बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाबी फायरिंग में गोविंद के पैर में गोली लगी। बिहार के कैमूर निवासी गोविंद सिंह के खिलाफ नौ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में इस पूरे नेटवर्क में शामिल कई अपराधियों के नाम सामने आए हैं। जिनके खिलाफ गोमती जोन पुलिस आगे भी कठोर कार्रवाई करेगी। बिहार से बंगाल तक फैला है नेटवर्क गिरफ्तार गोविंद सिंह ने पुलिस की पूछताछ में पशु तस्करी के अंतर्राज्यीय नेटवर्क के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। यह नेटवर्क पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों से लेकर बिहार और पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ है। गोविंद सिंह की शुरूआत एक 'स्पॉटर' के रूप में हुई थी, यह गाड़ियों के आगे-आगे चलकर पुलिस चेकिंग की जानकारी देता था। धीरे-धीरे इसने स्वतंत्र रूप से अवैध पशु परिवहन की व्यवस्था शुरू कर दी और ट्रांसपोर्टर की भूमिका निभाने लगा और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अपना नेटवर्क फैला लिया। इसके द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश से 500- 600 में खरीदे/चोरी किए गए संरक्षित पशुओं को बिहार के मेले में 10,000 रुपये तक में बेची जाती है और बंगाल पहुंचने पर इनकी कीमत और अधिक बढ़ जाती है। गोविंद का भाई राजू सिंह भी पशु तस्कर है, जो पहले से जेल में है।

पंडित जी, टायसन की गोली नाम नहीं पूछती है जान चली जाएगी

कानपुर। मनोहर शुक्ला के मुताबिक टायसन और उसके साथी डी-टू गैंग के शार्प शूटर हैं। उसका नाम बसपा नेता पिंटू सेंगर की हत्या में आ चुका है। आरोपी भयभीत कर शिकायत वापस लेने के लिए धमका रहे हैं। कानपुर में रायपुरवा क्षेत्र तेजाब मिल कैंपस निवासी हिस्ट्रीशीटर मनोहर शुक्ला ने डी-टू गैंग के शार्ट शूटर व बसपा नेता पिंटू सेंगर की हत्या में आरोपी टायसन के खिलाफ मंगलवार को कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। दर्ज कराई रिपोर्ट में मनोहर शुक्ला ने बताया कि उन्हें 27 अगस्त 2025 को एसआईटी की जांच कमेटी ने बयान देने के लिए बुलाया था। वहां से शाम करीब पांच से छह बजे के बीच कार से नई सड़क होकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी कार के बगल में एक बाइक रुकी। वह कुछ समझ पाते इससे पहले ही बाइक सवार ने उनसे कहा कि टायसन की गोली नाम नहीं पूछती है पंडित जी। टायसन की तलाश में जुटी पुलिस शिकायत वापस ले लो नहीं, तो जान चली जाएगी। मनोहर शुक्ला के मुताबिक टायसन और उसके साथी डी-टू गैंग के शार्प शूटर हैं।

संक्षिप्त खबरें

2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को 09 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05301/05302 मऊ-अम्बाला कैंट-मऊ साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन मऊ से 02 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को तथा अम्बाला कैंट से 03 अक्टूबर से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को 09 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05301 मऊ-अम्बाला कैंट साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 02 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को मऊ से 04.00 बजे प्रस्थान कर बेलथरा रोड से 04.44 बजे, भटनी से 05.22 बजे, देवरिया सदर से 05.47 बजे, गोरखपुर से 07.00 बजे, खलीलाबाद से 07.37 बजे, बस्ती से 08.10 बजे, मनकापुर से 09.00 बजे, गोंडा से 09.35 बजे, बुढ़वल से 10.37 बजे, सीतापुर से 12.23 बजे, बरेली से 15.37 बजे, मुरादाबाद से 17.22 बजे, गाजियाबाद से 19.37 बजे, दिल्ली से 20.30 बजे, सोनीपत से 21.14 बजे तथा पानीपत जं. से 22.07 बजे छूटकर दूसरे दिन अम्बाला कैंट 00.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05302 अम्बाला कैंट-मऊ साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 03 अक्टूबर से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को अम्बाला कैंट से 01.40 बजे प्रस्थान कर पानीपत जं. से 03.07 बजे, सोनीपत से 03.42 बजे, दिल्ली से 05.10 बजे, गाजियाबाद से 06.07 बजे, मुरादाबाद से 08.30 बजे, बरेली से 09.42 बजे, सीतापुर से 13.00 बजे, बुढ़वल से 14.52 बजे, गोंडा से 16.00 बजे, मनकापुर से 16.20 बजे, बस्ती से 17.17 बजे, खलीलाबाद से 17.47 बजे, गोरखपुर से 19.00 बजे, देवरिया सदर से 20.05 बजे, भटनी से 20.34 बजे तथा बेलथरा रोड से 21.17 बजे छूटकर मऊ 22.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेजयान का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

गोमती नगर से 29 सितम्बर से 03 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05742/05741 न्यू जलपाईगुड़ी-गोमती नगर-न्यू जलपाईगुड़ी साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन न्यू जलपाईगुड़ी से 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को तथा गोमती नगर से 29 सितम्बर से 03 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05742 न्यू जलपाईगुड़ी-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को न्यू जलपाईगुड़ी से 07.00 बजे प्रस्थान कर सिलीगुड़ी से 07.28 बजे, ठाकुरगंज से 08.30 बजे, अररिया कोर्ट से 10.28 बजे, पूर्णिया से 11.02 बजे, कटिहार से 11.55 बजे, नवगछिया से 12.40 बजे, खगड़िया से 13.50 बजे, बेगूसराय से 14.50 बजे, बरौनी से 15.20 बजे, हाजीपुर से 17.10 बजे, सोनपुर से 17.22 बजे, छपरा से 20.42 बजे, सीवान से 22.05 बजे, देवरिया सदर से 23.14 बजे, दूसरे दिन गोरखपुर से 00.29 बजे, मनकापुर से 02.35 बजे, अयोध्या धाम जं. से 04.07 बजे तथा बाराबंकी से 06.25 बजे छूटकर गोमती नगर 07.15 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05741 गोमती नगर-न्यू जलपाईगुड़ी साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 29 सितम्बर से 03 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को गोमती नगर से 09.40 बजे प्रस्थान कर बाराबंकी से 10.20 बजे, अयोध्या धाम जं. से 13.10 बजे, मनकापुर से 14.01 बजे, गोरखपुर से 16.45 बजे, देवरिया सदर से 17.48 बजे, सीवान से 19.53 बजे, छपरा से 21.23 बजे, सोनपुर से 22.50 बजे, हाजीपुर से 23.05 बजे, दूसरे दिन बरौनी से 00.50 बजे, बेगूसराय से 01.10 बजे, खगड़िया से 02.00 बजे, नवगछिया से 02.58 बजे, कटिहार से 04.55 बजे, पूर्णिया से 05.22 बजे, अररिया कोर्ट से 05.52 बजे, ठाकुरगंज से 07.50 बजे तथा सिलीगुड़ी से 09.02 बजे छूटकर न्यू जलपाईगुड़ी 09.25 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01 तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के 20 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को 10 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05005/05006 बढ़नी-अमृतसर-बढ़नी साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन बढ़नी से 24 सितम्बर से 26 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को तथा अमृतसर से 25 सितम्बर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को 10 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05005 बढ़नी-अमृतसर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 24 सितम्बर से 26 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को बढ़नी से 15.10 बजे प्रस्थान कर तुलसीपुर से 15.50 बजे, बलरामपुर से 16.18 बजे, गोंडा से 17.15 बजे, बुढ़वल से 18.22 बजे, सीतापुर जं. से 19.58 बजे, बरेली से 23.10 बजे, दूसरे दिन मुरादाबाद से 00.55 बजे, सहारनपुर से 04.02 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 04.27 बजे, अम्बाला कैंट से 05.20 बजे, ढंडारी कलां से 06.55 बजे, जलंधर सिटी से 08.10 बजे तथा ब्यास से 08.45 बजे छूटकर अमृतसर 09.30 बजे पहुँचेगी।

2025 तक प्रत्येक बुधवार को 07 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05023/05024 गोमती नगर-खातीपुरा-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन गोमती नगर से 23 सितम्बर से 04 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को तथा खातीपुरा से 24 सितम्बर से 05 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को 07 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05023 गोमती नगर-खातीपुरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 23 सितम्बर से 04 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को गोमती नगर से 23.55 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन बादशाहनगर से 00.10 बजे, डालीगंज से 00.45 बजे, सीतापुर जं. से 04.00 बजे, बरेली से 07.16 बजे, मुरादाबाद से 09.10 बजे, गाजियाबाद से 11.25 बजे, दिल्ली से 12.20 बजे, दिल्ली कैंट से 12.52 बजे, गुड़गाँव से 13.08 बजे, रेवाड़ी से 14.35 बजे, अलवर से 15.30 बजे तथा बाँदीकुई से 16.32 बजे छूटकर खातीपुरा 17.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05024 खातीपुरा-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 24 सितम्बर से 05 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को खातीपुरा से 18.50 बजे प्रस्थान कर बाँदीकुई से 19.42 बजे, अलवर से 20.33 बजे, रेवाड़ी से 22.05 बजे, गुड़गाँव से 22.32 बजे, दिल्ली कैंट से 22.52 बजे, दूसरे दिन दिल्ली से 00.35 बजे, गाजियाबाद से 01.27 बजे, मुरादाबाद से 04.27 बजे, बरेली से 05.47 बजे, सीतापुर जं. से 09.00 बजे, डालीगंज से 11.20 बजे तथा बादशाहनगर से 11.35 बजे छूटकर गोमती नगर 11.45 बजे पहुँचेगी।

सेमीफाइनल में दक्षिण का उत्तर से और मध्य का पश्चिम से सामना, श्रेयस और जायसवाल पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और शार्दुल ठाकुर गुरुवार से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की तरफ से मध्य क्षेत्र के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय टीम में वापसी करने के लिए अपना मजबूत दावा पेश करने की कोशिश करेंगे। अय्यर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया लेकिन वह सत्र की शानदार शुरूआत करके वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले खुद को दावेदारी में बनाए रखना चाहेंगे। एशिया कप टीम में नहीं मिला अय्यर को मौका अय्यर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स के लिए 17 मैचों में 50.33 की औसत और 175 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद वह एशिया कप के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाए। उनके अच्छे प्रदर्शन का फायदा पश्चिम क्षेत्र को भी मिलेगा।

रघु भदौरिया साथियों सहित भाजपा में शामिल

ग्वालियर। किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष रघु भदौरिया ने भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया एवं युवा नेता देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर रामू के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में महिला एवं पुरूष शामिल रहे जिन्हें भाजपा का अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। श्री भदौरिया ने कहा कि वह पूरी निष्ठा के साथ भाजपा में कार्य करेंगे। इस दौरान भाजपा नेता मानसिंह राजपूत भी मौजूद रहे।

मितेन्द्र असम के प्रभारी नियुक्त

ग्वालियर। युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव मितेन्द्र दर्शन सिंह को असम का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि असम में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा संगठन को मजबूत करने की दृष्टि से असम में युवक कांग्रेस के नेताओं की ड्यूटी लगाई जा रही है। श्री सिंह ने कहा कि असम में कांग्रेस की विचारधारा को आगे बढ़ाना और युवाओं की आवाज को बुलंद करना ही हमारा संकल्प रहेगा।

महाआर्यमन को दी बधाई

ग्वालियर। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर महाआर्यमन सिंधिया को बधाई दी गई है। भाजपा के जिला मंत्री सतेन्द्र शर्मा ने इंदौर पहुंचकर श्री आर्यमन को पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया।

खरीदी नहीं हुई तो 35 करोड़ रुपए का बजट होगा लेप्स

टर्सरी कैंसर केयर यूनिट के उपकरणों पर संकट, ज्वाइंट सेक्रेटरी ने जताई नाराजगी

ग्वालियर

अंचल के सबसे बड़े जयारोग्य चिकित्सालय समूह में रोजाना हजारों मरीज आते हैं। इनमें बड़ी संख्या कैंसर पीड़ितों की होती है। कैंसर जैसी घातक बीमारी से जूझ रहे इन मरीजों को अब भी बेहतर इलाज के लिए दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों की राह नापनी पड़ रही है। जबकि ग्वालियर में टर्सरी कैंसर केयर सेंटर तैयार हो चुका है। लेकिन भवन बनने के लगभग एक साल बाद भी उपकरण खरीदे नहीं गए हैं। नतीजा यह है कि करीब 35 करोड़ रुपए का बजट लेप्स होने की कगार पर है।

जानकारी के मुताबिक केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से 42 करोड़ की लागत का यह प्रोजेक्ट तैयार किया गया। इसमें से सात करोड़ की लागत से भवन का निर्माण पूरा हो चुका है। लेकिन 35 करोड़ के उपकरण अब तक नहीं खरीदे गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ज्वाइंट सेक्रेटरी भी इस लापरवाही पर नाराजगी जता चुके हैं। उनका कहना है कि यह हमारी नाकामी है कि हम आपसे काम नहीं करा पा रहे हैं। यह बयान शासन और प्रशासन की कार्यशैली पर सीधे सवाल खड़े करता है। मंत्रालय ने राज्य सरकार से बजट उपयोग का प्रमाण-पत्र (यूटीलाइजेशन सर्टिफिकेट) भी मांगा है। लेकिन उपकरण खरीदी न होने से यह सर्टिफिकेट जारी नहीं हो सका। अगर मार्च 2026 तक खरीदी नहीं हुई तो पूरा बजट लेप्स हो जाएगा और इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ेगा।

2020 में होना था शुरू

टर्सरी कैंसर केयर सेंटर 2020 में शुरू होना था। निर्माण और उपकरण खरीदी का काम तय समय पर पूरा होना था। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौरान निर्माण कार्य अटक गया। अब भवन तो खड़ा है, पर उपकरणों के बिना मरीजों को बेहतर सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

यह होंगे अत्याधुनिक उपकरण

- लाइनर एक्सेलेरेटर मशीन : कैंसर मरीजों को आधुनिक तरीके से शिकाई।
- हाई कैपेसिटी सीटी सिम्यूलेटर मशीन : अंगों की जांच और सटीक इलाज की योजना।
- ट्रीटमेंट प्लानिंग सिस्टम : मरीज को दी जाने वाली शिकाई की डोज की गणना।
- पेट सीटी स्कैन मशीन : एमआरआई से भी उन्नत तकनीक, जिससे कैंसर की सटीक स्थिति पता चलेगी।

सवालों के घेरे में व्यवस्था

- जब भवन तैयार हो चुका है तो उपकरण खरीदी में देरी क्यों?
- शासन स्तर पर जिम्मेदार अफसर इस बजट के प्रति बेपरवाह क्यों हैं?
- मरीजों को बाहर शहर भेजने की मजबूरी कब तक रहेगी?

विधायक और जिलाधीश के आवेदन के बाद कार्रवाई पर अटकलें

पुलिस बरत रही है गोपनीयता

ग्वालियर/भिण्ड

भिंड में जिलाधीश संजीव श्रीवास्तव और विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह के बीच विवाद थाने पहुंचने के बाद अब अटकलें इस बात पर लग रही हैं कि कार्रवाई क्या होगी ? कार्रवाई पुलिस को करना है, वह उच्च स्तर से आने वाले इशारे के इंतजार में हैं। फिलहाल इस मामले में अभी भिंड से लेकर भोपाल तक मंथन चल रहा है। यहां पर जिलाधीश का आरोप है कि विधायक ने उनका मोबाइल छीना और अभद्रता की, वहीं विधायक का आरोप है कि जिलाधीश ने उनकी हत्या की धमकी दी।

उल्लेखनीय है कि 27 अगस्त को विधायक श्री कुशवाह खाद समस्या को लेकर समर्थकों साथ जिलाधीश संजीव श्रीवास्तव के निवास पर पहुंचे थे। उस समय जिलाधीश स्वास्थ्य खराब होने के कारण आराम कर रहे थे। विधायक और उनके समर्थकों के आने की सूचना पर जिलाधीश गेट तक आए।

इस विवाद का जो वीडियो सामने आया था उसमें विधायक मुक्का दिखाते हुए दिखाई दे रहे थे और जिलाधीश उंगली दिखाते हुए दिखाई दे रहे थे। इस विवाद के चार दिन बाद दोनों ही पक्षों ने कोतवाली थाने में लिखित आवेदन दिए हैं। फिलहाल कोतवाली थाने की पुलिस का कहना है कि अभी आवेदन जांच प्रक्रिया में हैं। वहीं सूत्रों का कहना है कि पूरे घटनाक्रम के वीडियो हैं, दोनों पक्षों के आवेदन भी पुलिस के पास पहुंच गए हैं। प्रत्यक्षदर्शी भी हैं, इसके बाद अब कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए सिर्फ उच्च स्तर के अधिकारियों के इशारे का इंतजार है। अगर कार्रवाई का इशारा होता है तो प्राथमिकी दर्ज होते देर नहीं लगेगी, वहीं इस तरह का इशारा नहीं आता है तो जांच लंबी चलेगी। थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह सेंगर का कहना है कि आवेदन आ चुके हैं, अभी जांच की जा रही है।

कात्यायनी-अर्जुन का विवाह खत्म

ग्वालियर, । सिंधिया राजघराने से सरदार रहे स्व. संभाजी राव आंग्रे की पोत्री कात्यायनी आंग्रे और इंदौर राजघराने के अर्जुन काक के बीच पिछले सात वर्ष से चला आ रहा विवाह विवाद सर्वोच्च न्यायालय से खत्म हो गया है। यह मामला वर्ष 2018 में हुए कथित विवाह के बाद नगर निगम द्वारा जारी विवाह प्रमाण पत्र को लेकर उठा था। जिसमें दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे के खिलाफ थानों में प्राथमिकी तक दर्ज कराई गई थी। फिर यह मसला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा जिसमें दोनों पक्षों के बीच समझौता हो जाने पर सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई के बाद सरदार आंग्रे की पोत्री को पति अर्जुन काक द्वारा 2.25 करोड़ रुपए 30 नवंबर 2025 तक देने के आदेश दिए गए हैं।

बैठक संपन्न

ग्वालियर। भाजपा विधि प्रकोष्ठ की साप्ताहिक बैठक मंगलवार को उच्च न्यायालय परिसर में जिला संयोजक धर्मेंद्र नायक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक का मुख्य विषय मूलभूत अधिकारों पर संवाद रखा गया।

बारिश में धुल गया पेंच वर्क, निगम फिर करेगा

सड़कों पर धूल के गुबार, लोगों को हो रही आंखों में परेशानी

बारिश के मौसम में लगातार हो रही वर्षा के कारण शहर की सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे हो गए थे। इन गड्ढों को भरने के लिए नगर निगम ने स्टोन डस्ट का प्रयोग किया। बारिश के पानी में यह डस्ट चिपक गई, लेकिन मंगलवार को मौसम में आए बदलाव के कारण धूप खिल उठी है। इससे अब यह डस्ट वाहन के पहियों से उड़ रही है। बारिश थमने के बाद सड़कों पर उड़ने वाली दूर वाहन चालकों के लिए परेशानी बन गई है। साथ ही लोगों की आंखों एवं फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचा रही है।

ग्वालियर

शहर में पिछले दो दिनों में बारिश ने शहर की सड़कों को बदहाल कर दिया है। शहर की सड़कों पर किया गया घटिया क्वालिटी का रेस्टोरेशन एवं पेंचवर्क बह गया, जगह-जगह गड्ढे दिखाई देने लगे हैं। इसके कारण लोगों को वाहन चलाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं नगर निगम अब खराब हो चुकी सड़कों पर फिर से पेंचवर्क की तैयारी कर रहा है। इस पेंचवर्क कार्य पर काफी खर्चा हुआ था, जो मामूली बारिश भी नहीं झेल सका।

बारिश के मौसम में खराब हुई सड़कों पर नगर निगम ने पेंचवर्क किया था। यह पेंचवर्क अगस्त माह में किया गया था, लेकिन इस पेंचवर्क की हवा सितम्बर माह के पहले सप्ताह में हुई बारिश में ही निकल गई। जगह-जगह सड़क पर गड्ढे हो गए हैं। इन गड्ढों में बारिश का पानी जमा होने से लोगों की परेशानी काफी बढ़ गई है। सबसे ज्यादा खराब हालत अस्पताल रोड के पास सड़क की है, यहां सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे नजर आने लगे हैं। खास बात यह है कि गड्ढों में पानी भर जाने के कारण पैदल चलने वालों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका भी बढ़ गई है।

शिंदे की छावनी से नदी गेट

शिंदे की छावनी से नदी गेट तक का रास्ता सबसे अधिक खतरनाक हो चुका है। इस रास्ते पर भयानक रूप से धूल उड़ रही है। यहां से गुजरने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही यहां पर व्यापार करने वालों को दुकान पर बैठने तक में परेशानी हो रही है।

दस वार्ड डेंगू डेंजर जोन में फिर भी कागजों पर फॉगिंग

ग्वालियर

बारिश के मौसम में शहर में मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगा है। इसके साथ ही डेंगू और अन्य मच्छरजनित बीमारियों ने भी पैर पसार लिए हैं। पिछले एक सप्ताह से प्रतिदिन डेंगू के मरीज सामने आ रहे हैं। मंगलवार को भी डेंगू के दो मरीज सामने आए हैं। उधर शहर के जिन दस वार्डों को डेंगू डेंजर जोन में शामिल किया गया है, वहां नगर निगम का अमला दिखाई ही नहीं दे रहा है।

जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी की गई जांच रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को 52 संदिग्ध मरीजों की जांच की गईं। जांच रिपोर्ट में दो मरीजों को डेंगू होने की पुष्टि हुई है। उक्त दो मरीजों में से एक बाहर का है। उधर मुरार एवं लश्कर क्षेत्र के दस वार्डों को डेंगू डेंजर जोन में शामिल किया गया है, जहां पिछले वर्ष डेंगू के सबसे ज्यादा मरीज आए थे। उसके बाद भी नगर निगम की टीम डेंजर जोन में न तो फॉगिंग कर रही है और न ही जलभराव से लोगों को निजात मिल रही है। जिस कारण लोगों में डेंगू फैलने की आशंका बनी हुई है।

यह वार्ड सबसे ज्यादा संवेदनशील

वार्ड 18, 19, 20, 21, 23 और 26 डेंगू के लिए सबसे अधिक संवेदनशील। इसी तरह वार्ड 51, 52, 56 और 57 में भी पिछले तीन सालों में डेंगू के सबसे ज्यादा मामले सामने आए थे।

जुर्माना सिर्फ कागजों में

स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू की रोकथाम के लिए एंटी लार्वा सर्वे किया जा रहा है। साथ ही सर्वे के दौरान कई घरों में डेंगू का लार्वा भी मिल रहा है। जबकि नियमों के अनुसार जिस घर में डेंगू मच्छरों का लार्वा मिलता है, उस घर पर नगर निगम को जुर्माना लगाना चाहिए। लेकिन अब तक एक भी घर पर जुर्माना नहीं लगाया गया।

कार्यालय से गायब हुईं 118 निविदाएं अब बिना जांच के भुगतान का दबाव

लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता ने प्रमुख अभियंता को लिखा पत्र, बिंदुवार जानकारी दी

ग्वालियर

लोक निर्माण विभाग के संभाग कार्यालय से 118 निविदाओं को लापरवाही पूर्वक गायब करा दिया गया है। इसे मामले में निविदा लिपिक को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। इसके अलावा गुम हुई नस्तियों से संबंधित कार्यों के लंबित देयक के भुगतान करने से पूर्व अधीक्षण यंत्री से जांच कराने के निर्देश कार्यपालन यंत्री संभाग को दिये गए।

इसके बाद नियमानुसार कराये गए कार्य का ही भुगतान कराने के निर्देश दिये हैं। किंतु उक्त कार्यों से संबंधित ठेकेदारों द्वारा अनावश्यक भुगतान का दबाव बनाया जा रहा है। उक्ताशय की जानकारी लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता एसएल सूर्यवंशी ने प्रमुख अभियंता को लिखे पत्र में दी। उन्होंने पत्र में बताया कि लंबित देयकों के भुगतान के पूर्व कार्य का शत प्रतिशत भौतिक सत्यापन कर भुगतान के निर्देश भी कार्यपालन यंत्री संभाग को दिये गये हैं और यह भी कहा कि कि प्रस्तावित कार्य के भुगतान के पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि यह प्रस्तावित कार्य किसी अन्य अनुबंध में भुगतान न किया गया हो। इसी तरह संभाग के निरीक्षण के दौरान संज्ञान में आया कि संभाग द्वारा स्वीकृत ए.आर.प्रोग्राम के अतिरिक्त विशेष मरम्मत, रिनोवेशन एवं एम.ओ.डब्ल्यू. से संबंधित कार्यों के भुगतान बिना सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के कराकर अनियमित भुगतान किया गया है।

इस मामले में निर्देशित किया गया कि वार्षिक मरम्मत के अन्तर्गत विशेष मरम्मत एवं मूल स्वरूप के कार्य बिना सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के न कराए जाएं और न ही भुगतान किया जाए। जिस पर अधीक्षण मण्डल द्वारा अवगत कराया गया कि 31 जुलाई तक केवल 2 कार्यों के बिल प्रस्तुत किए गए थे।

निरीक्षण में नहीं मिले मरम्मत कार्य

मुख्य अभियंता द्वारा शासकीय आवासों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में देखा कि मरम्मत कार्य नहीं हुए हैं एवं शासकीय आवास में निवासरत लोगों द्वारा भी कार्य न कराने का हवाला दिया गया है। इस पर ठेकेदारों का कहना है कि हमारे द्वारा मरम्मत कार्य कराया गया है। जो की जांच में कहीं भी परिलक्षित नहीं होता है। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग की बेशकीमती पीडब्ल्यूडी जमीन पर भू-माफियाओं द्वारा अनाधिकृत रूप से कब्जा कर लिया गया। जिस पर मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण यंत्री द्वारा कार्यवाही करने से असंतोष एवं आक्रोश उत्पन्न हुआ।

बिना कार्य के भुगतान चाह रहे हैं ठेकेदार

ठेकेदार द्वारा अनाधिकृत दबाव बिना कार्य के भुगतान हेतु बनाया जा रहा है, जबकि वस्तुस्थिति यह है कि मुख्य अभियंता द्वारा माप-पुस्तिका की जांच करने का एकमात्र उद्देश्य शासन को होने वाली राजस्व हानि को बचाने मात्र का है। जिस पर ठेकेदारों द्वारा अनाधिकृत रूप से कार्यालय परिसर में आकर एकजुट होकर विभाग एवं मेरे नाम से नारेबाजी, पुतला दहन कर आरोप प्रत्यारोप किये गए। ठेकेदारों की मंशा बिना कार्य किये भुगतान कराने की है।

केआरएच व सुपर स्पेशलिटी में लिफ्ट बंद

मरीज परेशान

ग्वालियर

अंचल के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध कमलाराजा और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की लिफ्टें लंबे समय से खराब पड़ी हैं। इससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार कमलाराजा अस्पताल में लगी इकलौती लिफ्ट भी मंगलवार को बंद हो गई। इस कारण तीसरी मंजिल तक मरीजों और परिजनों को पैदल जाना पड़ रहा है। तीसरी मंजिल पर पीडियाट्रिक वार्ड स्थित है, जहां बच्चों को भर्ती कराया जाता है। छोटे बच्चों को परिजन गोद में उठाकर सीढ़ियां चढ़ते हैं, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती है।

सुपर स्पेशलिटी की सभी पांचों लिफ्टें करीब डेढ़ महीने से बंद पड़ी हैं। वहीं कार्डियोलॉजी विभाग की तीन में से दो लिफ्ट पिछले एक माह से खराब हैं। उल्लेखनीय है कि करीब डेढ़ साल पहले तत्कालीन अधिष्ठाता ने सुपर स्पेशलिटी की लिफ्टों का मेंटेनेंस ठेका एक कंपनी को दिया था। लेकिन कंपनी ने न केवल लिफ्टों की सही देखरेख नहीं की बल्कि लिफ्ट के कुछ पार्ट भी क्षतिग्रस्त कर दिए। इसके चलते उस कंपनी का बकाया भुगतान रोक दिया गया। बताया जा रहा है कि इन लिफ्टों का वार्षिक रखरखाव अनुबंध दिसंबर 2024 में समाप्त हो गया था। हालांकि वर्तमान अधिष्ठाता डॉ. आर.के.एस. धाकड़ ने लिफ्ट मेंटेनेंस के लिए नई कंपनी को ठेका देने की प्रक्रिया शुरू की है।

नशा मुक्त भारत के लिए छात्राओं को दिलाई शपथ

ग्वालियर

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नगर निगम द्वारा मुरार गर्ल्स कॉलेज और नोइल कॉन्वेंट स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को नशा न करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी जनकल्याण पूर्वी अग्रवाल एवं रमन शिक्षा समिति अध्यक्ष हरिओम गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुस्कान शिवहरे, अमित मंडेलिया और जितेंद्र वर्मा भी मौजूद रहे।

गया की यात्रा करना होगा मुश्किल, पहले दिन ही वेटिंग 50 के पास

ग्वालियर

पितृ पक्ष में बिहार स्थित गया की यात्रा करना यात्रियों के लिए इस बार मुश्किल होगा, क्योंकि चंबल एक्सप्रेस में 8 सितंबर से 20 सितम्बर तक के लिए सभी श्रेणी के कोच में सीटें वेटिंग में हैं। इससे यात्रियों को विकल्प के रूप में प्रयागराज तक बुंदेलखंड एक्सप्रेस से यात्रा करनी पड़ेगी। इसके बाद प्रयागराज से गया के लिए ट्रेन पकड़ सकते हैं।

पितृ पक्ष 7 सितंबर से शुरू हो रहे हैं। अब यात्री गया जाने के लिए तत्काल टिकट के लिए जुगाड़ लगा रहे हैं। इसके लिए स्टेशन पर दलाल सक्रिय हो गए हैं। वहीं ग्वालियर से कोलकाता जाने वाली ट्रेन में भी वेटिंग चल रही है। यह ट्रेन भी सप्ताह में एक दिन चलती है।

ग्वालियर से चलने वाली चंबल एक्सप्रेस में 15 दिनों के पितृपक्ष में इस बार कन्फर्म टिकट ही नहीं है। झांसी मंडल ने अभी तक कोई भी विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा नहीं की है। हिंदू धर्म में गया जी का विशेष स्थान है। ज्योतिषाचार्यों बताते हैं कि गया जी में पितरों का पिंडदान करने से पितृ योनि से मुक्ति मिल जाती है और हमारे पुरखे देवतुल्य हो जाते हैं।

कब कितनी वेटिंग

तारीख	स्लीपर	सेकंड एसी	थर्ड एसी
8 सितम्बर	50	8	11
9 सितम्बर	48	16	22
11 सितम्बर	32	3	8
13 सितम्बर	51	9	22
15 सितम्बर	39	2	13

तत्काल के लिए करने लगे जुगाड़

यात्रियों ने गया जी जाने के लिए अभी से तत्काल टिकट लेने के लिए जुगाड़ करना शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं तत्काल के लिए लोगों ने अभी से दलालों को पैसे देकर अपने पुरखों की तिथि पर टिकट बुक करवाना शुरू कर दिए है।

विशेष ट्रेन चलाने के लिए नहीं बनाई योजना

झांसी मंडल ने श्राद्ध पक्ष में गया के लिए विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा नहीं की है। चंबल एक्सप्रेस में एक्स्ट्रा कोच भी नहीं लगेंगे, क्योंकि इस ट्रेन में पहले से ही 21 कोच लगे हैं। अधिकारियों का कहना है कि यार्ड में इससे ज्यादा कोच की ट्रेन खड़े करने की व्यवस्था नहीं है।

एसी कोच में 14 से ज्यादा वेटिंग

ग्वालियर से गया के लिए चंबल एक्सप्रेस सप्ताह में 3 दिन जाती है। स्लीपर में वेटिंग 50 व एसी में 14 से ऊपर चल रही है। एसी में यात्री वेटिंग का टिकट ले रहे हैं, लेकिन रेलवे अधिकारियों का कहना है कि गया के लिए वेटिंग का टिकट क्लियर होना मुश्किल है, क्योंकि पितृ पक्ष में अधिकांश लोग पिंड दान करने के लिए गया जाते हैं, ऐसे लोग बहुत कम ही टिकट निरस्त कराते हैं।

सम्पादकीय

उम्मीदों की चिप

भारत ने टेक क्रांति की तरफ बढ़ते हुए पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित कर लिया है। इसरो की सेमीकंडक्टर लैब इस कामयाबी की साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं। जिनमें से एक पंजाब के मोहाली में स्थित है। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है। भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। यहां तक कि छोटा-सा देश ताइवान दुनिया के लगभग साठ फीसदी से ज्यादा सेमीकंडक्टर का उत्पादन कर रहा है। जिसमें करीब नब्बे फीसदी उन्नत सेमीकंडक्टर शामिल हैं। दरअसल, कोविड संकट के बाद आधुनिक तकनीक व उन्नत उपकरणों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर होड़ पैदा हो गई है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बना सकते हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार पचास फीसदी पूंजीगत सहायता दे रही है। वहीं राज्य सरकारें कुल परियोजना लागत का बीस फीसदी प्रोत्साहन दे रही हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा भी कि सरकार इस मिशन और उसको तैयार करने से जुड़ी डीएलआई योजना के अगले फेज पर काम कर रही है। निश्चित रूप से केंद्र के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल,राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वदेशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा।

वैश्विक राजनीति की बिसात पर ट्रंप को मोदी ही देंगे मात, अमेरिकी विशेषज्ञों ने कही है यह बात

भारत-अमेरिका संबंधों पर हाल के घटनाक्रम गहरे द्वंद्व और भ्रम को उजागर करते हैं। एक ओर अमेरिकी रणनीतिक समुदाय के प्रभावशाली वर्ग, जैसे- जेक सुलिवन, मेरी किसल और एडवर्ड प्राइस बार-बार इस सच्चाई को रेखांकित कर रहे हैं कि चीन का प्रभाव अकेले अमेरिका की क्षमताओं से नियंत्रित नहीं किया जा सकता और इसके लिए भारत की साझेदारी अनिवार्य है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यवहार इस साझेदारी को कमजोर करने वाला दिखाई देता है। देखा जाये तो ट्रंप प्रशासन की ओर से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी और इसे रूस से कच्चा तेल खरीदने से जोड़ना, रणनीतिक विवेक से अधिक

राजनीतिक सनक का परिणाम प्रतीत होता है। एडवर्ड प्राइस की आलोचना इस संदर्भ में सार्थक है कि यह नीति न केवल अर्थशास्त्र और कूटनीति की गलत समझ दशार्ती है, बल्कि भारत को रूस और चीन के और निकट धकेलने का खतरा भी उत्पन्न करती है, जो अमेरिका की दीर्घकालिक विदेश नीति के लिए घातक परिणाम ला सकती है। जेक सुलिवन का आरोप इस परिदृश्य को और जटिल बनाता है अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन का वह आरोप जिसमें उन्होंने कहा है कि ट्रंप परिवार के पाकिस्तान में कारोबारी हितों के चलते भारत-अमेरिका संबंधों को बलि चढ़ाया जा रहा है। यदि इसमें सच्चाई का अंश भी है, तो यह अमेरिकी कूटनीति के लिए गंभीर संकट का संकेत है। ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (रउड) जैसे मंचों पर रूस और चीन दोनों से सक्रिय संवाद कर रहे हैं, वाशिंगटन की असंगत नीतियां भारत के विकल्पों को और मजबूत करती हैं। हम आपको बता दें कि जेक सुलिवन भारत-अमेरिका संबंधों के एक प्रमुख वास्तुकार रहे हैं। ऐसे में उनका यह आरोप बेहद गंभीर है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान में अपने पारिवारिक कारोबारी हितों के चलते नई दिल्ली के साथ रिश्तों को नुकसान पहुँचाया है। हम आपको बता दें कि पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन, जिन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन, बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन के तहत पिछले एक दशक में कार्य किया है और जिनकी ज़िम्मेदारी में भारत से संबंध भी शामिल थे, उन्होंने सोमवार को पॉडकास्ट ट्रींरि३ङ्ग४ूँ में कहा कि ट्रंप ने भारत के साथ रिश्तों को किनारे कर दिया है क्योंकि पाकिस्तान ट्रंप परिवार के साथ कारोबारी समझौते करने को तैयार है। सुलिवन का इशारा ट्रंप परिवार के उस संबंध की ओर था जो जैक विटकॉफ से जुड़ा है। हम आपको बता दें कि जैक विटकॉफ वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (हछत्रक्र) के सह-संस्थापक हैं, जिसने अप्रैल 2025 में पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल के साथ एक समझौता किया था ताकि पाकिस्तान में क्रिप्टो विकास और डिजिटल वित्तीय परिवर्तन को बढ़ावा दिया जा सके। माना जाता है कि ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप, तथा दामाद जैरेड कुश्नर इस कंपनी में बड़ा हिस्सा रखते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि जैक, स्टीव विटकॉफ के बेटे हैं, जो ट्रंप के पुराने मित्र और दुनिया के विभिन्न हॉटस्पॉट क्षेत्रों (खाड़ी से लेकर रूस-यूक्रेन तक) में उनके सलाहकार रहे हैं। यह माना जा रहा है कि इसी क्रिप्टो डील के चलते ट्रंप ने पाकिस्तान के सैन्य शासक आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस आमंत्रित किया था, ठीक कुछ सप्ताह बाद जब जैक ने इस्लामाबाद में उनसे मुलाकात कर अपना क्रिप्टो उपक्रम प्रस्तुत किया। अमेरिका के पूर्व एनएसए जेक सुलिवन ने इसे ट्रंप की विदेश नीति की सबसे कम रिपोर्ट की गई कहानियों में से एक बताते हुए कहा कि भारत से संबंध तोड़ना एक बड़ा रणनीतिक नुकसान है। उनके अनुसार, इससे जर्मनी, जापान और कनाडा जैसे सहयोगी देशों का भरोसा भी डगमगा सकता है, क्योंकि अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकेगा और वह मान सकते हैं कि अगला नंबर उनका है। उन्होंने कहा, हमारा वचन ही हमारा बंधन होना चाहिए। हमारे मित्रों को हम पर भरोसा कर पाना चाहिए। भारत के साथ जो कुछ हो रहा है उसका असर केवल द्विपक्षीय संबंधों पर ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में हमारे साझेदारियों पर भी पड़ेगा। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी मीडिया में चीन में आयोजित एससीओ (रउड) शिखर सम्मेलन को लेकर व्यापक कवरेज हुआ और कई विशेषज्ञों ने अफसोस जताया कि ट्रंप की कठोर नीति भारत को रूस और चीन के और निकट धकेल रही है। इसे कुछ विश्लेषकों ने अशांति की नई धुरी तक कहा। हालाँकि, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रउड बैठक को ज्यादातर दिखावटी करार देते हुए कहा कि भारत के मूल्य अमेरिका से कहीं अधिक मेल खाते हैं, चीन या रूस से नहीं। उन्होंने कहा, भारतीयों ने रूसी तेल खरीदकर और उसे दोबारा बेचकर यूक्रेन युद्ध को वित्तीय मदद दी है। लेकिन अंततः, दो महान राष्ट्र इस समस्या का समाधान कर लेंगे। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने भी भारत पर अपनी आलोचना को थोड़ा नरम करते हुए तियानजिन में हुए रउड शिखर सम्मेलन का हवाला देते हुए कहा, मोदी को शी जिनपिंग और पुतिन के साथ देखना अफसोसजनक थाङ्क हमें उम्मीद है कि वे समझेंगे कि उन्हें हमारे साथ होना चाहिए, न कि रूस के साथ। फिर भी, कई विश्लेषकों का मानना है कि नुकसान हो चुका है और संबंधों को बहाल करना कठिन होगा। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ शोधकर्ता एडवर्ड प्राइस ने बताया, भले ही भारत और अमेरिका अंततः टैरिफ पर कोई समझौता कर लें, लेकिन भरोसा खो चुका है। उन्होंने चेतावनी दी, यदि चीन, रूस और भारत किसी भी आर्थिक या आंशिक सैन्य गठबंधन में एकत्रित हो जाते हैं, तो अमेरिका के लिए 21वीं सदी में प्रतिस्पर्धा करना असंभव हो जाएगा। बेहतर होगा कि हम घर चले जाएँ।" वहीं, अमेरिका की पूर्व सलाहकार मैरी किसेल ने कहा है कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का अकेले अमेरिका मुकाबला नहीं कर सकता और इसके लिए भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वाशिंगटन को बीजिंग की बढ़ती ताकत का सामना करने के लिए नई दिल्ली का सहयोग चाहिए। हम आपको बता दें कि किसेल पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पियो की वरिष्ठ सलाहकार रह चुकी हैं। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिये साक्षात्कार में आर्थिक तनावों के बीच भारत-अमेरिका साझेदारी की मजबूती पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह तनाव वाशिंगटन द्वारा भारतीय आयात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ और रूस से कच्चा तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क के कारण और बढ़ा है। किसेल ने कहा, यदि हम सचमुच साम्यवादी चीन को अमेरिका और हमारी जीवनशैली के लिए सबसे बड़ा खतरा मानते हैं, तो हमें भारत की जरूरत है। यह सच्चाई है। हम एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अकेले उनसे नहीं लड़ सकते। किसेल ने यह भी कहा कि रउड शिखर सम्मेलन में भारत की सक्रिय भूमिका ट्रंप प्रशासन के लिए चीन की आक्रामकता से निपटने में बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, हमें केवल ऑस्ट्रेलिया या जापान जैसे मित्रों की ही नहीं, बल्कि भारत की भी ताकत चाहिए। मेरा मानना है कि यह बैठक ट्रंप प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती को उजागर कर रही है। एडवर्ड प्राइस का साक्षात्कार इसके अलावा, एक स्वतंत्र विदेश नीति विश्लेषक एडवर्ड प्राइस ने भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत-नीति पर कड़ी आलोचना की है और चेतावनी दी है कि हालिया व्यापारिक विवाद उस साझेदारी को कमजोर कर सकते हैं जिसे उन्होंने 21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारी बताया। एडवर्ड प्राइस न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में सहायक प्राध्यापक हैं। उन्होंने एक समाचार एजेंसी को दिये साक्षात्कार में कहा कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ लगाने की धमकियाँ अर्थशास्त्र और कूटनीति, दोनों की बुनियादी समझ की कमी को दशार्ती हैं। उन्होंने कहा, मैं पहले सोचता था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अर्थशास्त्र और कूटनीति की बहुत खराब समझ है। अब मुझे एहसास हुआ कि मैं गलत था। असल में राष्ट्रपति ट्रंप को अर्थशास्त्र और कूटनीति की कोई समझ ही नहीं है। देखा जाये तो यह आलोचना उस समय आई है जब ट्रंप ने ओवल ऑफिस में अपने बयान में भारत द्वारा अमेरिकी कंपनियों पर लगाए गए टैरिफ का उल्लेख किया, जबकि उसी समय उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका का भारत से बहुत अच्छा तालमेल है। एडवर्ड प्राइस का कहना था कि भारत की टैरिफ नीतियाँ न्यायोचित हैं क्योंकि वह एक विकासशील अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि युद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था ने विशेष रूप से विकासशील देशों को विकसित देशों की तुलना में अधिक टैरिफ लगाने की छूट दी थी। उन्होंने तर्क दिया कि ट्रंप की नीति रणनीतिक रूप से उलटी साबित हो रही है और भारत को चीन और रूस के करीब धकेल सकती है। उन्होंने कहा कि यह वही परिणाम है जिसे अमेरिकी विदेश नीति हमेशा टालना चाहती रही है। एडवर्ड प्राइस ने कहा कि हालिया तस्वीरें, जिनमें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साथ दिखाई दिए, उसने इस संभावित उभरते गठबंधन को लेकर चिंता बढ़ा दी है। एडवर्ड प्राइस ने कहा, ऐसा लगता है कि उन्होंने भारत को रूस और चीन के करीब ला दिया है। हालाँकि, उन्होंने यह भी चेताया कि इन देशों के बीच ऐतिहासिक तनावों के कारण यह गठजोड़ स्थायी न होकर सामरिक हो सकता है।

केरल विज्ञान केंद्र का नाम गोलवलकर के नाम पर रखा जाएगा

एसआर दारापुरी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन के एक बयान (4 दिसंबर, 2020) के अनुसार, केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र के नए परिसर का नाम ष्श्री गुरुजी माधव सदाशिव गोलवलकर राष्ट्रीय कैंसर एवं विषाणु संक्रमण जटिल रोग केंद्र रखा जाएगा। माधव सदाशिव गोलवलकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के दूसरे प्रमुख (1940-1973) और सबसे प्रमुख विचारक थे, जिन्हें हमारे प्रधानमंत्री एक राजनीतिक नेता के रूप में तैयार करने का श्रेय देते हैं। आरएसएस प्रमुख के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान ही हिंदू महासभा और आरएसएस दोनों से जुड़े हिंदुत्व अपराधियों ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी थी, जिसके लिए आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और गोलवलकर को जेल हुई थी। उन्होंने भारत के लोकतांत्रिक-धर्मनिरपेक्ष संविधान को निरस्त करने और मनुस्मृति (जो शूद्रों और महिलाओं को अमानवीय दर्जा देती है) को संविधान के रूप में लागू करने की मांग की थी। उन्होंने हिंदुओं से हिटलर का अनुकरण करने का आान किया, जिसने भारत में अल्पसंख्यकों की समस्या के समाधान के लिए जर्मनी से यहूदियों को निकालने के लिए नरसंहार का आयोजन किया था। नफरत के इस गुरु के नाम पर एक विज्ञान केंद्र का नामकरण केरल के एक और विशिष्ट कारण से घृणित है। गोलवलकर केरल की हिंदू महिलाओं के निर्लज्ज अपमान के लिए जाने जाते हैं। गोलवलकर को 17 दिसंबर, 1960 को गुजरात विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस संबोधन में, उन्होंने नस्ल सिद्धांत में अपने दृढ़ विश्वास को रेखांकित करते हुए, इतिहास में भारतीय समाज में मनुष्यों के संकर प्रजनन के मुद्दे पर भी बात की थी। उन्होंने कहा

आजकल संकर प्रजनन के प्रयोग केवल पशुओं पर ही किए जाते हैं। लेकिन मनुष्यों पर ऐसे प्रयोग करने का साहस आज के तथाकथित आधुनिक वैज्ञानिक भी नहीं दिखाते। आज यदि कहीं मानव संकर प्रजनन दिखाई देता है, तो वह वैज्ञानिक प्रयोगों का नहीं, बल्कि कामुक वासना का परिणाम है। अब आइए देखें कि हमारे पूर्वजों ने इस क्षेत्र में क्या प्रयोग किए। संकर प्रजनन के माध्यम से मानव प्रजाति को बेहतर बनाने के प्रयास में, उत्तर के नंबूद्री ब्राह्मणों को केरल में बसाया गया और यह नियम बनाया गया कि नंबूद्री परिवार का सबसे बड़ा पुत्र केवल केरल के वैश्य, क्षत्रिय या शूद्र समुदायों की कन्या से ही विवाह कर सकता है। एक और भी अधिक साहसिक नियम यह था कि- किसी भी वर्ग की विवाहित स्त्री की पहली संतान का पिता नंबूद्री ब्राह्मण होना चाहिए और फिर वह अपने पति से संतान उत्पन्न कर सकती थी। आज इस प्रयोग को व्यभिचार कहा जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं था, क्योंकि यह पहले बच्चे तक ही सीमित था। एम. एस. गोलवलकर (ऑर्गनाइजर, 2 जनवरी, 1961 में उद्धृत। मूल रिपोर्ट अंत में पुनः प्रस्तुत है।) इस व्याख्यान में गोलवलकर ने अस्पृश्यता के मूल स्रोत, वर्ण व्यवस्था या जातिवाद की अत्यधिक तिरस्कृत व्यवस्था का भी पुरजोर बचाव किया। अपने भाषण के दौरान उन्होंने कहा आज हम अज्ञानता के कारण वर्ण व्यवस्था को नीचा दिखाने का प्रयास करते हैं। लेकिन इसी व्यवस्था के माध्यम से स्वामित्व की भावना को नियंत्रित करने का एक बड़ा प्रयास किया जा सका... समाज में कुछ लोग बुद्धिजीवी होते हैं, कुछ उत्पादन और धन अर्जन में निपुण होते हैं और कुछ में श्रम करने की क्षमता होती है। हमारे पूर्वजों ने समाज में इन चार व्यापक विभाजनों को देखा था। वर्ण व्यवस्था का अर्थ इन विभाजनों का उचित समन्वय और व्यक्ति को उन कार्यों के वंशानुगत विकास के माध्यम से अपनी सर्वोत्तम क्षमता से समाज की सेवा करने में सक्षम बनाना है जिनके लिए वह सबसे उपयुक्त है। यदि यह व्यवस्था जारी रहती है तो प्रत्येक व्यक्ति के लिए उसके जन्म से ही आजीविका का एक साधन आरक्षित हो जाता है। एम. एस. गोलवलकर (ऑर्गनाइजर, 2 जनवरी, 1961, पृष्ठ 5 और 16 में उद्धृत) गोलवलकर का उपरोक्त कथन कई मायनों में बेहद चिंताजनक था। सबसे पहले, इससे यह साबित हुआ कि गोलवलकर का मानना था कि भारत के हिंदू समाज में भी एक श्रेष्ठ नस्ल है और एक निम्न नस्ल भी है जिसे संकर प्रजनन के माध्यम से सुधारने की आवश्यकता है। दूसरे, एक और भी चिंताजनक पहलू यह था कि उनका यह विश्वास था कि उत्तर (भारत) के ब्राह्मण और विशेष रूप से नंबूदरी ब्राह्मण, एक श्रेष्ठ नस्ल के थे। इसी गुण के कारण, नंबूदरी ब्राह्मणों को उत्तर से केरल भेजा गया ताकि वे वहाँ के निम्न हिंदुओं की नस्ल सुधार सकें।

जीवन दर्शन-सत्य का विराट,विहंगम स्वरूप

संजीव ठाकुर

सत्य सदेव शाश्वत होता है। सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति अतुल्य बल प्रदान करती है। यह बात स्वामी विवेकानंद जी ने कही है। यह सच बात है कि मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानो में समय-समय पर मूल्यों का स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन प्रकृति का आधारभूत नियम है। विकास में धन की आवश्यकता अवश्य होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों, आवश्य कताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम,सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि श्सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का श्सांच को आंच नहींश जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित सत्यमेव जयते आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मों से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है। यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद तो भोग दर्शन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और आर्थिक तत्व का महत्व वैश्विक तथा आंतरिक जीवन का सबसे प्रमुख निर्धारक तथ्य बनने लगा। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी, उदारवादी संस्कृति के विकास का प्रभाव पूरे विश्व पर पर्याप्त मात्रा में पड़ा और वैश्विक स्तर पर मूल्यों में नैतिक स्तर पर परिवर्तन आने लगे। आधुनिक युग वैश्वीकरण, उदारीकरण और आर्थिक विकास का युद्ध इस युग में अर्थ अथवा धनबल अपनी अकूत शक्ति के बल पर पूरी सभ्यता व व्यवस्था का केंद्रीय तत्व बनकर उभरा है। धन बल पर आधारित इस युग में स्थिति यह बन गई है कि राजनीति, समाज, धर्म ,अध्यात्म ,अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण ,ज्ञान विज्ञान ,जीवन दर्शन सभी अर्थ व धन के निर्देशों के अनुरूप ही चलन में आ गए हैं। धन के बल पर आज पारिवारिक संबंधों सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा राजनैतिक शक्ति,संतुलन, आध्या त्मिक स्तर पर प्रभाव नैतिक स्तर पर सहमति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल प्रभावित ही नहीं कर रहे हैं अपितु उन्हें लगभग खरीदने की ताकत रखने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके बावजूद सत्य के मूल्य को और उसकी सार्वभौमिकता को दबाना या शांत करना या उसके दमन के लिए उसे विवश करना लगभग असंभव है। वैश्विक स्तर पर कुछ अमीर देश और मुट्ठी भर धनाढ्य व्यक्ति इस बात को मान्यता देते हैं कि जब ,धन बोलता है तो सत्यम मौन रहता है, पर सार्वजनिक रूप से ऐसा मानना तार्किक स्तर पर जरूर ठीक लगता हो पर दार्शनिक अथवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से यह पूर्ण रूप से असत्य भी है। पारिवारिक सामाजिक स्तर पर भी देखें तो समाज के नैतिक मूल्यों में आई गिरावट के परिणाम स्वरूप सामाजिक प्रतिष्ठा उसी को प्राप्त होती है जिसके पास पर्याप्त तथा अकूत धन हो। धनवान व्यक्ति की विचारधारा उसकी मान्यताओं को समाज महत्व देता है एवं उसे प्रेरणा का स्त्रोत माना जाता है। निर्धन व्यक्ति कितना भी विद्वान ऊजार्वान हो उसकी बातें सत्य पूर्ण सत्य तथा उदास बातें भी समाज में कई उदाहरणों में महत्वहीन हो जाती है। धन तथा बाहुबल के महत्व के अनेक उदाहरण राजनीतिक स्तर पर प्रतिदिन हमारे सामने आने लगे हैं। राजनीतिक जीवन में धन के बल पर किए जाने वाले भ्रष्टाचार, चुनाव में धांधली, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, पार्टियों पर अनुचित प्रभाव मीडिया चौनल न्यूज प्रिंट मीडिया आदि की खरीदारी सत्य के मूल्यों पर प्रश्नचिन्ह लगा देते हैं।

बारिश का कहर

सोमवार रात को भी गुरुग्राम की सड़कों पर भारी जाम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई रहीं। किसी रिहायशी इमारत की ऊंची मंजिल से लिए गए वीडियो और तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि सड़कों पर गाड़ियां चल नहीं रही थीं, रेंग रही थी। बताया जा रहा है कि यह जाम करीब 20 किमी लंबा था। अमूमन जो सफर आधे घंटे में तय होता था, उसमें लोगों को पांच-छह घंटे लग गए। अपनी-अपनी गाड़ियों में फंसे लोग इस अव्यवस्था पर नाराज तो हुए, लेकिन शायद जनता अब तक यह तय नहीं कर पाई है कि असल में नाराजगी किस पर उतारना है। अगर यह समझ विकसित होती तो जिस शहर में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तर हैं, सौ-सौ करोड़ के आलीशान घर हैं, भव्य मॉल्स बने हैं, वहां का रख-रखाव इतना बुरा नहीं होता। गुरुग्राम में बारिश से जाम और सड़कों के नदियों में तब्दील होने की घटना केवल 2025 की नहीं है, बरसों से यही होता आ रहा है। लेकिन अब भी जिम्मेदारी लेने की जगह पुरानी सरकारों पर ठीकरा फोड़ा जा रहा है। पिछले 11 सालों से केंद्र और हरियाणा दोनों जगह बीजेपी ही सत्ता में है, लेकिन भाजपा सांसद निशिकांत दुबे कह रहे हैं कि बिना सरकारी प्लानिंग के प्राइवेट बिल्डर्स इंडियन नेशनल कांग्रेस के साथ मिलकर भ्रष्टाचार का शहर बनाएंगे तो गुरुग्राम जैसा शहर ही बनेगा। बड़ी आसानी से भाजपा सांसद ने कांग्रेस को दोषी बता दिया। लेकिन उनसे पूछा जा सकता है कि अगर गुरुग्राम भ्रष्टाचार की बुनियाद पर बना था, तो उसका नाम गुड़गांव से गुरुग्राम करने से पहले भ्रष्ट तरीकों से बनी इमारतों, सड़कों को बुलडोजर से भाजपा ने ध्वस्त क्यों नहीं कर दिया। 11 सालों में तो कई भ्रष्टाचारियों का पता लगाया जा सकता था, तो किसी को अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। जाहिर है भाजपा का कोई इरादा व्यवस्था में सुधार का नहीं है। चूंकि गुरुग्राम या दिल्ली की खबरें राष्ट्रीय मीडिया में लाना सबसे आसान है, इसलिए गुरुग्राम की बदहाली नजर आ रही है। वर्ना सारे देश का बारिश में यही हाल हो जाता है, क्योंकि शहर प्रबंधन की बारीकियों से ज्यादा दिखावटी सौंदर्यीकरण में सरकार की दिलचस्पी रहती है। इसमें ठेकेदारों को मनचाहे दामों पर काम मिलता रहता है, जनता भी इस मुगालते में पड़ी रहती है कि उसका शहर वर्ल्ड क्लास बनने वाला है। कहीं सिंगापुर सिटी बनती है, कहीं क्योटो और शंघाई के सपने दिखाए जाते हैं। जनता का गरीब तबका तो झुग्गियों में ही रहने को मजबूर है, उसने न दुनिया के शहर देखे, न वो जानता है कि गरिमामय जीवन की असल परिभाषा क्या है। लेकिन जिन लोगों ने विदेशों की सैर की है, वे भी यह समझ नहीं पा रहे कि वहां अधोसंरचना तैयार करने का जिम्मा विशेषज्ञों के पास रहता है, उन पर राजनैतिक दबाव नहीं रहता। भारतीय नेता सत्ता में आने के बाद विकास के अध्ययन के लिए विदेशों की सैर तो कर आते हैं, लेकिन उसका हासिल क्या होता है, यह किसी रिपोर्ट कार्ड में दर्ज नहीं होता। जब चुनाव आते हैं तो बिजली, सड़क, पानी के वादे घोषणापत्र का हिस्सा बन जाते हैं, लेकिन उस समय भी न जनता पिछला हिसाब मांगती है, न सत्ताधारी दल ये बताते हैं कि क्यों दो-तीन की बारिश भी हमारे शहर-कस्बे झेल नहीं पा रहे हैं। गुरुग्राम-दिल्ली मेंइमारतें, सड़कें डूब रही हैं, तो उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब में खेत-खलिहान, मवेशी, घर डूब रहे हैं। बाढ़ और भूस्खलन के लिए जलवायु परिवर्तन को दोष देना अब सबसे आसान बहाना हो गया है। लेकिन ऐसे बहानों की आड़ में छिपने वाले यह भूल रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन केवल भारत के लिए नहीं है, दुनिया भर के लिए है। दरअसल पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और नदियों में उफान की सबसे बड़ी वजह यही है कि बिना सोचे-समझे यहां निर्माण कार्य हुआ है। अंग्रेजों ने भी भारत में पहाड़ों पर निर्माण किए, लेकिन उससे पहले उन्होंने परखा था कि कौन से पहाड़ मजबूत हैं, कौन से नहीं। यही वजह है कि हिमाचल रेलवे, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एंडवास्ड स्टडीज, देहरादून, रानीखेत आदि में अंग्रेजों की बनाई सड़कें सौ साल बाद अब भी सलामत हैं। जबकि कुछ साल पहले बनी इमारतें, सड़कें, पुल सब गिर रहे हैं। अभी उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण देहरादून, टिहरी, पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, उधम सिंह नगर और हरिद्वार जिलों में रेड अलर्ट जारी है। लेकिन आम जनजीवन लंबे वक्त से प्रभावित चल रहा है। उत्तरकाशी के कूपड़ा गांव से 12 किलोमीटर दूर राजकीय इंटर कॉलेज राणाचट्टी में 13 गांवों के छात्र पढ़ते हैं। लेकिन पिछले दो महीने से बच्चे स्कूल नहीं आ पा रहे, क्योंकि सड़कें बह चुकी है। दसवीं और बारहवीं की प्री-बोर्ड परीक्षाएं फरवरी में और बोर्ड परीक्षाएं मार्च में होनी हैं। ऐसे में यहां पढ़ने वाले बच्चे किस तरह पाठ्यक्रम पूरा करेंगे और परीक्षा के लिए तैयार रहेंगे, इसका कुछ पता नहीं है। बच्चे किस मानसिक संताप से गुजर रहे होंगे, इसका अंदाजा सरकार को नहीं होगा। इधर पंजाब में भी हालात बिगड़ रहे हैं। राज्य के आठ जिलों के सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए हैं और कम से कम 24 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से ज्यादातर इमारतें गिरने की वजह से हुई हैं।

दिल्ली में सोने की कीमतें 1.07 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर, चांदी स्थिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। फेड की ओर से ब्याज दरों में ढील दिये जाने की उम्मीद, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच दिल्ली में में बुधवार को सोने का भाव और 1,000 रुपये मजबूत होकर 1,07,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। आखिल भारतीय सराफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार को 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दिल्ली के बाजार में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने में लगातार आठवें कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और बुधवार को यह 1,000 रुपये बढ़कर 1,06,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। पिछले बाजार सत्र में यह 1,05,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एसोसिएशन के अनुसार, चांदी की कीमतें बुधवार को 1,26,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रहीं, जो इसका अब तक का उच्चतम स्तर है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना हाजिर चढ़कर 3,547.09 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

जाह्नवी की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का गाना बिजुरिया रिलीज, एक्ट्रेस बोलीं- खुद को नाचने से रोक पाना मुश्किल

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी हाल ही में रिलीज हुई है। इसकी रिलीज के साथ ही अब वह अपनी अगली फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के प्रमोशन में जुट गई हैं। इस फिल्म जाह्नवी एक नए और ताजा अंदाज में नजर आएंगी, जिसका अंदाजा फिल्म के टीजर से ही लगाया जा सकता है। इसी बीच फिल्म के मेकर्स ने पहला गाना बिजुरिया रिलीज

कर दिया है, जिसमें जाह्नवी और वरुण धवन की जोड़ी दर्शकों का दिल जीत रही है। अपने इस गाने को लेकर जाह्नवी कपूर ने कहा- बिजुरिया हमेशा से ऐसा गाना रहा है जो आपको उठकर नाचने पर मजबूर कर देता है। इस गाने को फिर से इस फिल्म में लाना मेरे लिए बेहद मजेदार अनुभव रहा। इसका नया वर्जन पुराने जादू और नई ताजगी का ऐसा परफेक्ट मिश्रण है, जिसे सुनकर नाचने से खुद को रोक पाना मुश्किल है। वरुण और पूरी टीम के साथ शूटिंग करना शानदार रहा। मुझे पूरा यकीन है कि यह गाना लोगों के दिलों में बस जाएगा और हर कोई इस पर थिरकने से खुद को रोक नहीं पाएगा। बता दें, इन दिनों जाह्नवी का शेड्यूल काफी व्यस्त है। वह जल्द ही राम चरण के साथ फिल्म पेड्डी में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

दूसरी बार मां बनीं गौहर खान, बेटे की किलकारियों से फिर गूंजा आंगन

एक्ट्रेस गौहर खान दूसरी बार मां बन गई हैं। जी हां, 1 सितंबर को गौहर ने पति जैद दरबार संग दूसरे बच्चे का स्वागत किया। गौहर ने प्यारे से बेटे को जन्म दिया। इसकी जानकारी गौहर ने इंस्टा पर एक कार्ड शेयर कर दी। इसमें लिखा है0 जेहान अपने बड़े भाई का स्वागत करने के लिए तैयार है, जिसका जन्म 1 सितंबर, 2025 को हुआ है। इस पोस्ट के साथ गौहर ने अपने दोस्तों, परिवार और रिश्तेदारों की दुआओं का शुक्रिया अदा किया है।गौहर खान और जैद दरबार ने 25 दिसंबर, 2020 को शादी की थी। उन्होंने 10 मई, 2023 को अपने पहले बच्चे जेहान का स्वागत किया। गौहर ने 2009 की फिल्म रॉकेट सिंह सेल्समैन ऑफ द ईयर से अपने बॉलीवुड में कदम रखा।2013 में रियलिटी शो बिग बॉस 7 की विजेता बनीं। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में जैसे इश्कजादे, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, और बेगम जान में काम किया। गौहर खतरों के खिलाड़ी 5 और इंडियाज रॉ स्टार जैसे टीवी शो में भी काम किया है। वहीं जैद दरबार संगीतकार इस्माइल दरबार के बेटे हैं। जैद एक कोरियोग्राफर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं।

सादगी में भी स्टाइल! चर्चा में रणदीप और लिन का नया फोटोशूट, लोगों को खूब भा रही कपल की ट्रेडिशनल केमिस्ट्री

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम इंडस्ट्री के क्यूट कपल्स में से एक हैं। हाल ही में दोनों ने एक नया फोटोशूट करवाया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस फोटोशूट के जरिए दोनों ने भारतीय त्योहारों की खूबसूरती और परंपरा को बेहद खास अंदाज में पेश किया है। तस्वीरों में उनकी सादगी फैंस का खूब दिल जीत रही है। फोटोशूट में रणदीप हुड्डा ने सफेद रंग का कुर्ता-पायजामा पहना है, जो उन्हें एक सिंपल लेकिन गरिमामय लुक दे रहा है। वहीं, लिन लैशराम ने लाल रंग की साड़ी में नजर आ रही हैं, जिसमें सुनहरी धारियां, गजरा और माथे पर सिंदूर उनकी सुंदरता को और निखार रहे हैं। यह तस्वीरें देखकर ऐसा लगता है जैसे किसी पेंटिंग को जीवंत कर दिया गया हो। फोटोशूट में दिख रही पुरानी लकड़ी की खिड़कियों से आती रोशनी, चारों ओर हरियाली, और घर जैसा माहौल इस शूट को और खास बना देता है। त्योहारों की रौनक, भारतीय संस्कृति, और कपल के बीच का प्यार इन तस्वीरों से साफ झलकता है। इन तस्वीरों पर रणदीप हुड्डा के फैंस खूब प्यार बरसा रहे हैं। लोग रणदीप और लिन की केमिस्ट्री की तारीफ कर रहे हैं। कई फैंस ने कहा कि यह जोड़ी सच में प्यारी और रियल लगती है। बहुत से लोग अब जानना चाहते हैं कि रणदीप हुड्डा की पत्नी लिन लैशराम कौन हैं। तो आपको बता दें कि लिन एक एक्ट्रेस, मॉडल और बिजनेसवुमन हैं। वह नॉर्थ-ईस्ट इंडिया से ताल्लुक रखती हैं और कई हिंदी फिल्मों व वेब सीरीज में नजर आ चुकी हैं।

तान्या मित्तल के लग्जरी घर के दावों पर लोगों ने उड़ाया मजाक, कहा-इनकम टैक्स वाले कहां हैं?

बिग बॉस 19 में नजर आ रही मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल इन दिनों अपनी लैविश लाइफस्टाइल के दावों की वजह से सुर्खियों में हैं। शो के एक एपिसोड में उन्होंने नीलम गिरी को अपने घर के बारे में ऐसी-ऐसी बातें बताईं जिसे सुनकर सब हैरान रह गए। तान्या ने दावा किया, मेरा घर इतना शानदार है कि 7 स्टार होटल भी उसके सामने फीके लगेंगे। अगर धरती पर स्वर्ग होता तो वैसा ही दिखता। उन्होंने आगे बताया, मेरे घर में कपड़ों के लिए अलग से पूरा एक फ्लोर है, जो 2500 स्क्वेयर फीट में फैला हुआ है। हर फ्लोर पर 5 नौकर रहते हैं, 2 किचन स्टाफ हैं और 7 ड्राइवर्स हैं। यह पहली बार नहीं है जब तान्या ने अपनी लग्जरी लाइफ के बारे में ऐसे दावे किए हों। इससे पहले भी एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने प्रणित मोरे को बताया था कि उनके घर की किचन की शेल्फ में लिफ्ट लगी हुई है। उन्होंने कहा था, वहां सामान रखो और एक बटन दबाओ तो वह ऊपर पहुंच जाता है। तान्या के इन दावों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने जमकर मजाक उड़ाया। एक यूजर ने लिखा, इनकम टैक्स वाले कहां हैं, सीतारमण मैम देखो जरा। दूसरे ने कहा, अनीता अंबानी का एंटीलिया भी फेल है। कई लोगों ने सवाल किया, इतनी अमीर है तो बिग बॉस में क्यों गई है? एक यूजर ने तंज कसते हुए लिखा, बेचारी को बॉयफ्रेंड ने धोखा दिया था ना, उसका सदमा अभी तक है। वहीं कुछ लोगों ने तो यह भी कहा, फेंकने की भी लिमिट होनी चाहिए। कई लोगों ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को टैग करते हुए लिखा, बिग बॉस देखिए जरा। तान्या मित्तल एक मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। उन्होंने खुद का एक बिजनेस भी शुरू किया हुआ है जिसका सालाना टर्नओवर 2 करोड़ रुपये बताया जाता है। वह बिग बॉस 19 में अपनी बोल्ड और बेबाक छवि की वजह से चर्चा में बनी हुई हैं। शो में वह अक्सर अपनी जिंदगी और लाइफस्टाइल के बारे में बातें करती नजर आती हैं।

'दो मस्ताने न्यूयॉर्क में', पति के कंधों पर बैठ सैर-सपाटे पर निकलीं आरती सिंह, शेयर कीं तस्वीरें

अभिनेत्री आरती सिंह अपने पति दीपक चौहान के साथ न्यूयॉर्क की यात्रा पर निकली हैं। दोनों साथ में क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। आरती ने फैंस के साथ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। आरती सिंह सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। अक्सर वे अपनी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। आरती ने धूमधाम से गणपति उत्सव सेलिब्रेट किया। बप्पा के स्वागत से उनके विसर्जन तक की झलकियां उन्होंने फैंस के साथ साझा कीं। आरती अब पति दीपक चौहान के साथ न्यूयॉर्क घूमने निकल गई हैं। पोस्ट शेयर कर लिखा, 'दो मस्ताने' आरती सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। वे न्यूयॉर्क की सड़कों पर पति दीपक के साथ घूम रही हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि अभिनेत्री अपने पति के कंधों पर बैठकर घुमक्कड़ी का लुत्फ उठा रही हैं। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'दो मस्ताने न्यूयॉर्क में। जय गुरुजी। इतना सबकुछ देने के लिए शुक्रिया'। नेटिजन बोले- 'नजर न लगे' आरती सिंह स्टाइलिश लुक में नजर आ रही हैं। न्यूयॉर्क की सड़कों पर वे पति दीपक के साथ फुल मस्ती करती दिख रही हैं। नेटिजन्स को उनका अंदाज पसंद आ रहा है। यूजर्स भी कमेंट कर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'एक-दूजे के लिए बनी है यह जोड़ी'। एक यूजर ने लिखा, 'नजर न लगे। आप दोनों इसी तरह खुश रहिए'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'बिग बॉस के बाद से आरती हमारी पसंदीदा हैं। आपकी ये तस्वीरें बहुत कमाल हैं'। 'मायका' से शुरू किया था सफर आरती सिंह चर्चित टीवी एक्ट्रेस हैं। वे अभिनेता गोविंदा की भांजी हैं और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक की बहन हैं। आरती ने शो 'मायका' से करियर शुरू किया। वे कई सीरियल में नजर आ चुकी हैं। उन्हें रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' में भी देखा जा चुका है। निजी जिंदगी की बात करें तो आरती सिंह ने 25 अप्रैल 2024 को दीपक चौहान से शादी रचाई।

'खुशियों का दिन बना त्रासदी', बंगलूरू भगदड़ पर कोहली ने तोड़ी चुप्पी, दी पहली प्रतिक्रिया

बंगलूरू (एजेंसी)। भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (फ्रंछ) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इस साल चार जून को बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुए दर्दनाक हादसे पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, आरसीबी फ्रंचाइजी की आईपीएल विजय यात्रा के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई थी और कई घायल हो गए थे। जो पल फ्रंछ और उसके खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होना चाहिए था, वही दिन दुख और मातम में बदल गया। अब विराट कोहली ने इस मामले में पहली प्रतिक्रिया दी है। कोहली ने आरसीबी के 'एक्स' अकाउंट पर शेयर किए गए संदेश में कहा, 'जिंदगी में कुछ भी आपको ऐसे दिल टूटने के लिए तैयार नहीं करता, जैसा चार जून को हुआ। हमारी फ्रंचाइजी के इतिहास का जो सबसे खुशी का दिन होना चाहिए थाङ्खवो एक त्रासदी में बदल गया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं लगातार उन परिवारों के बारे में सोच रहा हूं और प्रार्थना कर रहा हूं, जिनसे हमने अपनों को खो दियाङ्खऔर उन फैन्स के लिए भी जो घायल हुए। आपका नुकसान अब हमारी कहानी का हिस्सा है।

जर्मन विदेश मंत्री भारत के विकास के मुरीद

कहा- नवोन्मेषी महाशक्ति-प्रौद्योगिकी का केंद्र बना

नईदिल्ली (एजेंसी)। जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। कल उन्होंने बंगलूरू की यात्रा की। इस दौरान वह प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की प्रगति के मुरीद हुए। उन्होंने कहा, मैंने खुद देखा कि भारत कितना नवोन्मेषी महाशक्ति और प्रौद्योगिकी केंद्र बन गया है। जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल अपनी बंगलूरू यात्रा के दौरान प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत के विकास के मुरीद हुए। उन्होंने कहा कि जर्मनी और भारत को सहयोग बढ़ाकर बहुत कुछ हासिल करना है। जोहान वाडेफुल ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा, 'अगर हमें अपने सहयोग को और आगे बढ़ाना है, तो हमारी अर्थव्यवस्थाओं को बहुत कुछ हासिल करना होगा। मैं कल बंगलूरू में था, और मैंने खुद देखा कि भारत कितना नवोन्मेषी महाशक्ति और प्रौद्योगिकी केंद्र बन गया है।' जोहान वाडेफुल ने दुनिया में भारत के 'विशेष और रणनीतिक' महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत एक उभरती हुई महाशक्ति है और दुनिया का सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। इसके साथ ही सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, भारत का वैश्विक क्षेत्र में विशेष और रणनीतिक महत्व है। रक्षा-सुरक्षा और आयुध के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का रखा लक्ष्य वाडेफुल और एस जयशंकर ने द्विपक्षीय बैठक के दौरान अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों पर भी चर्चा की। वाडेफुल ने चीन के बढ़ते आक्रामक व्यवहार पर चिंता व्यक्त की और रक्षा, सुरक्षा एवं आयुध के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का लक्ष्य रखा। उन्होंने कहा, 'भारत और जर्मनी नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से एकजुट हैं, जिसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री व्यापार मार्गों की स्वतंत्रता भी शामिल है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन का बढ़ता आक्रामक व्यवहार दोनों देशों के लिए चिंता का विषय है। सामान्य तौर पर, हमारा लक्ष्य रक्षा, सुरक्षा और आयुध के क्षेत्रों में अपने सहयोग को और बढ़ाना है।' हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा यूरोप की सुरक्षा से जुड़ी वाडेफुल ने कहा, 'हमने आज इस बारे में बात की। चाहे वह हमारी सेनाओं के साझा अभ्यास के जरिये हो या पिछले साल जर्मन फ्रिगेट द्वारा भारत के बंदरगाह पर किए गए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग के लिए निर्यात लाइसेंस प्रक्रिया में तेजी लाने के जरिये। हमने इस तथ्य पर भी चर्चा की कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा यूरोप की सुरक्षा से गहराई से जुड़ी हुई है। रूस का आक्रामक युद्ध अभी भी हमारी सुरक्षा नीति के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।' एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत की महत्वाकांक्षा का प्रदर्शन जर्मन विदेश मंत्री वाडेफुल ने भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि यह नई तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी देशों में शामिल होने की भारत की महत्वाकांक्षा और दावे का प्रदर्शन है। द्विपक्षीय व्यापार पर बोलते हुए उन्होंने कहा, 31 अरब यूरो से भी कम के व्यापार के साथ भारत और जर्मनी पहले से ही प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं। जर्मनी भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार मानता है। हमारा लक्ष्य इसे दोगुना करना है।

ड्रग्स और क्लीनिकल ट्रायल नियमों में बदलाव की तैयारी, फार्मा सेक्टर को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार के प्रस्तावित संशोधन में टेस्ट लाइसेंस लेने की पूरी प्रक्रिया के समय को भी कम किया गया है और इसे 90 दिन के बजाय घटाकर 45 दिन कर दिया गया है। केंद्र सरकार न्यू ड्रग्स एंड क्लीनिकल ट्रायल नियम, 2019 में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पीएम मोदी के निर्देशों के तहत फार्मास्यूटिकल और क्लीनिकल सेक्टर में नियामक नियमों को कम करके व्यापार और निवेश को

बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। प्रस्तावित संशोधन 28 अगस्त 2025 के गजट में प्रकाशित हुए थे और फिलहाल इन पर आम जनता की राय मांगी गई है। टेस्ट लाइसेंस लेने की प्रक्रिया होगी आसान सरकार का कहना है कि इन संशोधनों का उद्देश्य दवाईयों के टेस्ट लाइसेंस लेने की प्रक्रिया को आसान और तेज बनाना है। संशोधन के बाद कुछ अहम और खतरनाक श्रेणी की दवाइयों को छोड़कर अन्य दवाइयों के लिए टेस्ट लाइसेंस लेने के लिए इंतजार करने की जरूरत नहीं होगी। टेस्ट लाइसेंस लेने की पूरी प्रक्रिया के समय को भी कम किया गया है और इसे 90 दिन के बजाय घटाकर 45 दिन कर दिया गया है। इन बदलावों से हितधारकों को फायदा होगा और इससे लाइसेंस के लिए आवेदन की संख्या भी घटकर आधी रहने की उम्मीद है। केंद्र सरकार फार्मा और क्लीनिकल ट्रायल सेक्टर में नियामक सुधार कर इस क्षेत्र के विकास को तेज करना चाहती है। साथ ही वैश्विक स्तर पर इसे और बेहतर प्रतिस्पर्धी बनाने की कवायद कर रही है। इससे फार्मा सेक्टर के हब के रूप में भारत की उपस्थिति और मजबूत होगी।

पोलैंड के नए राष्ट्रपति का अमेरिका दौरा

रूस के खतरे को देखते हुए दोनों देशों में हो सकता है अहम करार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पोलैंड के नए राष्ट्रपति करोल नवरोकी बुधवार को व्हाइट हाउस का दौरा करेंगे। नवरोकी के दौरे से पोलैंड और अमेरिका के रिश्तों में मजबूती आ सकती है। साथ ही पोलैंड में अमेरिका की सैन्य तैनाती बढ़ाने पर भी बातचीत हो सकती है। करोल नवरोकी ने बीते महीने ही पोलैंड के राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभाली है और यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। नवरोकी, ट्रंप समर्थक हैं और पोलैंड के चुनाव में राष्ट्रपति ट्रंप ने भी खुलकर नवरोकी का समर्थन किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्षविराम कराने का वादा किया था, लेकिन कई कोशिशों के बाद भी ट्रंप ऐसा नहीं कर सके हैं। बीते दिनों ट्रंप ने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की थी।

जिसके बाद जल्द संघर्षविराम की उम्मीद बंधी थी। ट्रंप ने जल्द ही रूस-यूक्रेन और अमेरिका के बीच संयुक्त बैठक कराने की बात कही थी, लेकिन अलास्का बैठक के बाद पुतिन इस मुलाकात में कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। इससे ट्रंप कहीं न कहीं निराश हैं।

पोलैंड क्यों है अहम? पोलैंड भौगोलिक तौर पर पूर्वी यूरोपीय देश है, जिसकी सीमा बेलारूस और यूक्रेन से लगती हैं। पोलैंड यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य है और यूक्रेन, माल्दोवा आदि देशों को भी नाटो में शामिल करने का समर्थक है। यही वजह है कि अमेरिका और रूस दोनों महाशक्तियों की पोलैंड में रुचि होती है। रूस के यूक्रेन पर हमले का पोलैंड द्वारा विरोध किया जा रहा है और पोलैंड खुलकर यूक्रेन की मदद भी कर रहा है। हालांकि पोलैंड को डर है कि रूस, बेलारूस के साथ मिलकर उसकी संप्रभुता को नुकसान पहुंचा सकता है। रूस और उसका सहयोगी बेलारूस इस महीने बेलारूस में संयुक्त सैन्य अभ्यास करने वाले हैं, जिससे पोलैंड के साथ-साथ नाटो के अन्य सदस्य देश लातविया और लिथुआनिया भी बेचैन हैं। नवरोकी की अमेरिका यात्रा पर निगाहें ट्रंप प्रशासन के कुछ प्रमुख सलाहकारों ने अमेरिकी सैनिकों यूरोप से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थानांतरित करने की वकालत की है, जहां चीन अमेरिका का सबसे बड़ा रणनीतिक और आर्थिक प्रतिद्वंद्वी बना हुआ है। ऐसे में पोलैंड को चिंता है कि अमेरिका अपने सैनिकों की तैनाती कम कर सकता है। अपने अमेरिका दौरे पर पोलैंड के नए राष्ट्रपति नवरोकी, ट्रंप को अमेरिकी सैनिकों की तैनाती न घटाने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। पोलैंड के चुनाव में ट्रंप ने नवरोकी का समर्थन किया था और वादा किया था कि अगर नवरोकी चुनाव जीते तो अमेरिका, पोलैंड के साथ अपने रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगा।

'हार्ले डेविडसन भारत में नहीं बेच पाए...', राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोबारा लगाया ऊंचे टैरिफ का आरोप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत में ऊंचे आयात शुल्क का आरोप लगाया और कहा कि भारत दुनिया के

सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए दावा किया कि भारत में 200% टैरिफ की वजह से हार्ले डेविडसन वहां अपनी मोटरसाइकिलें नहीं बेच पा रही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत पर उच्च आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का आरोप लगाया है। मंगलवार को ओवल ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ को लेकर कहा कि भारत दुनिया में सबसे ऊंचे टैरिफ लगाने वाले दशों में से एक है। ट्रंप ने कहा, 'हम भारत के साथ बहुत ज्यादा व्यापार नहीं कर रहे थे, लेकिन वह हमारे साथ व्यापार कर रहे थे, क्योंकि हम उन पर टैरिफ नहीं लगा रहे थे..मूर्खता से। उन्होंने जो भी सामान बनाया, वह अमेरिका भेज दिया, यह अमेरिकी बाजार में आया और हम कुछ भी नहीं भेज पा रहे थे, क्योंकि भारत ने हम पर सौ फीसदी टैरिफ लगा रहा था।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं आपको हार्ले डेविडसन का उदाहरण देता हूं। वह भारत में मोटरसाइकिल नहीं बेच पाए, क्योंकि उस पर 200 फीसदी टैरिफ लगा था।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने हार्ले डेविडसन और ऐसी अन्य मोटरसाइकिलों पर 200 फीसदी टैरिफ होने का दावा किया है। लेकिन 2018 में जब उन्होंने पहली यह मुद्दा उठाया था, तब असल दर सौ फीसदी थी, जिसे बाद में घटा दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्तूबर 2018 में भारत ने हार्ले डेविडसन जैसी प्रतिष्ठित मोटरसाइकिलों पर सौ फीसदी टैरिफ लगाया था। इसके बाद से 1600 सीसी तक और उससे ऊपर की मोटरसाइकिलों पर टैरिफ घटाकर 40 फीसदी और 30 फीसदी कर दिया गया। अप्रैल में शुरू हुई थी व्यापार समझौते की बातचीत अप्रैल में जब व्यापार सौदे की बातचीत शुरू हुई थी, तब रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत सीमित संख्या में ऐसी मोटरसाइकिलों पर शून्य टैरिफ की अनुमति दे सकता है। लेकिन अब वह बातचीत रुकी हुई है।

'ऐसे लोगों पर नहीं लागू कर सकते कानून'; एलियन एनिमीज एक्ट 1798 के इस्तेमाल पर ट्रंप को संघीय अदालत से झटका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को करारा झटका दिया है। एलियन एनमीज एक्ट, 1798 के इस्तेमाल के मामले में संघीय

अपील अदालत ने मंगलवार को फैसला सुनाया। इसमें अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून 'एलियन एनमीज एक्ट, 1798' का इस्तेमाल उन लोगों को तेजी से निर्वासित करने के लिए नहीं कर सकते जिन्हें उनकी सरकार वेनेजुएला के आपराधिक गिरोह का सदस्य बताती है। अमेरिका की 5वीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने 2-1 के फैसले में निचली अदालतों और आप्रवासी अधिकार कार्यकर्ताओं की दलील से सहमति जताई। अदालत ने कहा कि यह कानून केवल युद्धकाल में 'दुश्मन देशों' के नागरिकों के खिलाफ लागू करने के लिए बना था, न कि आपराधिक संगठनों जैसे 'ट्रेन डे अरागुआ' के खिलाफ इस्तेमाल के लिए। बता दें कि ट्रेन डे अरागुआ के खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने मार्च में कार्रवाई शुरू की थी। ट्रंप प्रशासन ने ट्रेन डे अरागुआ से जुड़े लोगों को निर्वासित कर अल सल्वाडोर की कुख्यात जेल में भेज दिया था और दलील दी थी कि अमेरिकी अदालतें उन्हें वहां से रिहा करने का आदेश नहीं दे सकतीं। अदालत का यह फैसला तब आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ समेत अपने कई फैसलों को लेकर आलोचनाएं झेल रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की आव्रजन नीति के लिए यह फैसला बड़ा झटका माना जा रहा है।

गैस पाइपलाइन के लिए रूस-चीन के बीच ऐतिहासिक समझौता, पुतिन बोले- अभूतपूर्व स्तर पर दोनों देशों के संबंध

मॉस्को (एजेंसी)। रूस और चीन ने 'पावर ऑफ साइबेरिया-2' गैस पाइपलाइन के निर्माण के लिए ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध अभूतपूर्व स्तर पर हैं। यह परियोजना हर साल रूस से चीन तक 50 अरब क्यूबिक मीटर गैस पहुंचाएगी और यूरोप को गैस निर्यात में आई गिरावट की भरपाई करेगी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस और चीन के बीच संबंध अभूतपूर्व रूप से उच्च स्तर पर हैं। उनका यह बयान तब आया, जब दोनों देशों ने मिलकर 'पावर ऑफ साइबेरिया-2' नाम की एक बड़ी गैस पाइपलाइन बनाने के लिए ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। ट्रंप के टैरिफ के बीच ऐतिहासिक समझौता दोनों देशों ने यह समझौता ऐसे समय में किया है, जब विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को लेकर अमेरिका का रुख बदल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए भारी टैरिफ लगने से वैश्विक व्यवस्था में उथल-पुथल मची हुई है। हर साल 50 अरब क्यूबिक प्राकृतिक गैस चीन पहुंचाएगी पाइपलाइन यह विशाल परियोजना मंगोलिया के रास्ते हर साल पश्चिमी रूस से उत्तरी चीन तक 50 अरब क्यूबिक प्राकृतिक गैस पहुंचाएगी। यह पाइपलाइन यूरोप को गैस

निर्यात में आई भारी गिरावट की भरपाई करने में रूस की मदद करेगी, जो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से प्रभावित हुई है। दोनों नेताओं ने मंगोलिया के राष्ट्रपति के साथ की बैठक रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन के हालिया चीन दौरे के दौरान दोनों नेताओं ने एकसाथ कई घंटे बिताए। उन्होंने मंगोलिया के राष्ट्रपति उखना सुरेलसुख से भी मुलाकात और औपचारिक वार्ताएं कीं। इसके अलावा, दोनों नेता चीनी राष्ट्रपति के सरकारी आवास पर चाय पीते नजर आए। रूसी सरकार कंपनी ने की समझौते की पुष्टि मंगलवार दोपहर रूस की सरकारी उर्जा कंपनी गजप्रोम ने एलान किया कि 'पावर ऑफ साइबेरिया-2' गैस पाइपलाइन के निर्माण के लिए बाध्यकारी एक समझौता हुआ है। कई वर्षों से इस परियोजना को रूस शुरू करने की कोशिश कर रहा था। ट्रंप की नीति के खिलाफ सामूहिक प्रतिक्रिया सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह समझौता पुतिन के लिए एक बड़ी जीत है। यूरोप के स्थान पर अब उन्होंने चीन को अपना प्रमुख गैस उपभोक्ता के रूप में देखना शुरू कर दिया है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उन कोशिशों के खिलाफ एक सामूहिक प्रतिक्रिया मानी जा रही है। ट्रंप अन्य देशों पर दबाव डाल रहे हैं कि वे रूस से उर्जा खरीद बंद करें, ताकि यूक्रेन युद्ध को रोका जा सके। दुनिया की सबसे बड़ी गैस परियोजना होगी गजप्रोम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अलेक्सी मिलर ने कहा कि इस समझौते में तीस साल तक गैसे की आपूर्ति का प्रावधान है और इसकी कीमत की तुलना में कम होगी। उन्होंने समाचार एजेंसी तास को बताया कि यह दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे महंगी गैस परियोजना होगी। हालांकि, चीन इस समझौते की आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की है। चीन इस परियोजना को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए हैं, क्योंकि वह नवीनीकरण उर्जा की ओर जा रहा है और एकमात्र उर्जा आपूर्तिकर्ता पर निर्भर होने को लेकर चिंतित है।

इस्त्राइली हमले के बाद यमन में हूती-विद्रोहियों ने की यूएन के दफ्तरों में छापेमारी, हिरासत में लिए 19 कर्मी

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र के दफ्तरों पर छापा मारकर 19 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया है, जिनमें 18 यमनी और एक अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी शामिल हैं। यह कार्रवाई इस्त्राइली हमले में हूती प्रधानमंत्री की मौत के बाद की गई। यमन की राजधानी सना में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के दफ्तरों पर हूती विद्रोहियों की ओर से की गई छापेमारी में 19 कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है। यह संख्या पहले बताई गई संख्या से ज्यादा है। यूएन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यूएन के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को जानकारी दी कि हिरासत में लिए गए 19 लोगों में से 18 यमनी नागरिक हैं और एक

अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को तुरंत रिहा करने की अपील की। ये छापेमारी रविवार को एजेंसी के उन दफ्तरों पर की गई, जो खाने-पीने, स्वास्थ्य और बच्चों से जुड़ी सेवाएं देती हैं। यह कार्रवाई इस्त्राइल के उस हवाई हमले के बाद की गई, जिसमें हूती प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी और कई कैबिनेट मंत्रियों की हत्या कर दी गई थी। शांति वाताओं की उम्मीदें तब खत्म हो गईं, जब सात अक्तूबर 2023 को हमास ने दक्षिण इस्त्राइल पर हमला किया था। इसके जवाब में इस्त्राइल ने गाजा पर युद्ध छेड़ दिया। इसके बाद हूती विद्रोहियों ने गाजा के फलस्तीनी के समर्थन में लाल सागर में जहाजों पर हमले शुरू कर दिए। इसके जवाब में अमेरिका और इस्त्राइल ने यमन के हूती-नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए।

तेल पर और ज्यादा रियायत और एस-400 की सप्लाई बढ़ाएगा रूस

अमेरिकी टैरिफ के बीच पुतिन का भारत को तोहफा

मॉस्को (एजेंसी)। भारत द्वारा रूस से खरीदे जा रहे कच्चे तेल पर जल्द ही और ज्यादा रियायत मिल सकती है। साथ ही भारत और रूस से और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भी मिल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ दबाव बनाने के बीच ये रूसी राष्ट्रपति पुतिन का भारत के लिए तोहफा माना जा रहा है। भारत पहले ही रूस से डिस्काउंट पर तेल खरीद रहा है और अब और ज्यादा डिस्काउंट मिलने से भारत का काफी पैसा बचेगा। कच्चे तेल पर रियायत से मिलेगी बड़ी राहत मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूराल क्रूड की कीमत अब ब्रेंट क्रूड की तुलना में 3-4 डॉलर प्रति बैरल कम हो सकती है। सितंबर के अंत में और अक्तूबर माह में इस छूट का लाभ मिल सकता है। बीते हफ्ते यह छूट 2.50 डॉलर प्रति बैरल थी और जुलाई माह में यह 1 डॉलर प्रति बैरल थी। बीते महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50

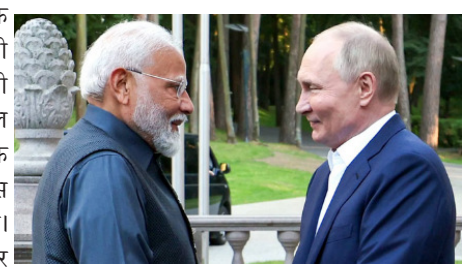

प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिनमें से 25 प्रतिशत टैरिफ रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए लगाया गया था। अमेरिका का आरोप है कि भारत के रूस से कच्चा तेल खरीदने से यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषण मिल रहा है। टैरिफ से भारत पर आर्थिक दबाव पड़ा है, लेकिन अब अगर रूस से कच्चे तेल पर और ज्यादा रियायत मिलती है तो यकीनन इससे भारत पर पड़ रहा आर्थिक दबाव कुछ हद तक कम होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सितंबर माह में भारत द्वारा खरीदे गए रूसी कच्चे तेल में अगस्त के मुकाबले 10-20 प्रतिशत का उछाल आया था यानी कि भारत ने रूस से 1.50 लाख से 3 लाख बैरल की अतिरिक्त खरीद की थी। अब और छूट मिलने पर यह संख्या और बढ़ सकती है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।